

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 22, 1979 (भाद्रपद 31, 1901)
No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 22, 1979 (BHADRA 31, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अगस्त, 1979

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री एम० आर० भागवत को राष्ट्रपति द्वारा 11-7-79 से दो मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आवेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० बालचन्द्रन

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्य एवं प्रशासन विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1979

सं० पी-23/65-प्रशासन-V—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी० बी० रामकृष्ण, वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को प्रोन्नति पर दिनांक 31-7-79 के पूर्वाह्न से अगले आवेश

1-245GU/79

तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में तदर्थ आधार पर उप-विधि मलाहकार नियुक्त करते हैं।

उन्होंने दिनांक 24-7-79 के अपराह्न में वरिष्ठ लोक-अभियोजक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 30 अगस्त 1979

सं० ए-19014/1/79-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से गृह मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के स्थायी ग्रेड 'ए' अधिकारी श्री क्यू० एल० गोवर को दिनांक 1 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सतीश कुमार झा

उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1979

सं० ए०-19021/3/75-प्रशा०-5—श्री एम० सी० त्रिपाठी, भारतीय पुलिस सेवा (1963-मध्य प्रदेश) ने दिनांक 20 जुलाई, 1979 के अपराह्न में पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण

7267

व्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना के पद का कार्यभार त्याग दिया।
उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई।

सं० ए-19021/2/79-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एन० आर० देव, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश-1965) को दिनांक 20-7-79 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

क्यू० एल० ग्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० ओ० दो० 1045/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर बी० दलीप मूर्ती, तदर्थ रूप में नियुक्त चिकित्सा अधिकारी 19वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का त्यागपत्र दिनांक 16-8-79 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० ओ० दो० 284/69 स्थापना—श्री के० एम० सुब्बा उप पुलिस अधीक्षक ग्रुप केन्द्र केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली 92 दिन का सेवा निवृत्ति अवकाश 1-8-79 से 31-10-79 तक के समाप्त होने पर इस दल से 31-10-79 (अपराह्न) को सेवा निवृत्ति हो जाएंगे।

सं० ओ० दो० 1234/75—स्थापना—श्री सी० के० भास्कर करूप ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 3 मिगनल बाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 31-7-79 (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा, लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार, कर्नाटका
बंगलोर, दिनांक 9 अगस्त 1979

सं० स्था I/ए 4/79-80/431—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्न लिखित स्थायी/स्थानापन्न, अनुभाग अधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी के पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से केवल अस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

सर्वश्री,

1. एफ० एम० गणेशन,
2. एल० सीताराम।

ये पदोन्नत सन् 1978 के सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका नं० 4367 के अंतिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

एम० के० सौन्दररावन्
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश,
खालियर, दिनांक 22 अगस्त 1979

सं० स्थापना-1/238—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ने निम्न लिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रुपये 840-40-1000-व० अ०-40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शाये गये दिनांक से पदोन्नत किया है :—

सर्वश्री—

1. बी० एल० सुदेले (02/0251) 28-7-79 पूर्वाह्न
2. आर० पी० परमाई (02/0252) 27-7-79 पूर्वाह्न
3. जवाहर लाल पुत्र (02/0253) 27-7-79 पूर्वाह्न
श्री रामस्वरूप

धु० च० माहू,
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० प्र० I/105—इस संगठन के निम्नलिखित लेखापरीक्षा अधिकारियों की 2/6/79 से लेखापरीक्षा अधिकारियों के संवर्ग में मूल पद पर स्थायी रूप से नियुक्ति की जाती है :—

क्रम सं०

नाम

सर्वश्री

1. जी० सी० गुप्ता, लेखा परीक्षा अधिकारी।
2. एम० आर० सहगल, लेखा परीक्षा अधिकारी।
3. एस० पी० तलवाड़, लेखा परीक्षा अधिकारी।
4. एम० एम० राय, लेखा परीक्षा अधिकारी।

ह० मपठनीय
निदेशक लेखा परीक्षा

सरकारी व्यय आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त, 1979

सं० 1(4)-ए/सी० पी० ई०/79—वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग (रक्षा प्रभाग) से स्थानान्तरण होने पर रक्षा लेखा विभाग के लेखा अधिकारी, श्री आर० एल० बग्गा को, जो रक्षा प्रभाग में अनुभाग अधिकारी (संवर्ग ब्राह्म) के रूप में कार्य कर रहे थे, 30 जून 1979 के दोपहरवाद से अगले आदेश होने तक, सरकारी व्यय आयोग में सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों के आधार पर 700-1300 रुपये के वेतनमान में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

यू० एम० टेकचन्दानी
अवर सचिव (प्रशा०)
सरकारी व्यय आयोग

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० 2722/ए प्रशासन/130/79—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थाई श्री पी० पी० सेठी को लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं जलन्धर के कार्यालय में दिनांक 21-8-79 (पूर्वाह्न) में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में, अगले आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करने हैं।

के० बी० दाम भौमिक,
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 16 अगस्त, 1979

सं० 44016(1)/73-प्रशा-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के निम्नलिखित अधिकारी को, उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड (र० 2000-125/2-2250) में, अन्तरिम उपाय के रूप में, आगामी आदेश पर्यन्त, उनके नाम के समक्ष लिखी तारीख से स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, तदर्थ आधार पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

नाम	पदोन्नति की तारीख
श्री एस० एस० शुक्ला	20-12-1978 (पूर्वाह्न)

दिनांक 22 अगस्त 1979

सं० 86016(16)/78-प्रशा० I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (र० 1500-60-1800-100-2000) में, आगामी आदेश पर्यन्त, उनके नाम के समक्ष लिखी तारीख से स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री विश्वजीत बनर्जी	20-7-79 (पूर्वाह्न)
(2) श्री जी० सी० भण्डारी	23-7-79 (पूर्वाह्न)
(3) श्री मलकीत सिंह	25-7-79 (पूर्वाह्न)
(4) कुमारी सोमी टंडन	5-7-79 (पूर्वाह्न)

आर० एल० वक्षी

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1979

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 1/2/79-प्रशासन (राज)/6466—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी,

श्री जे० पी० सिंघल को दिनांक 30-4-79 से 5-7-79 तक की अवधि के लिए इसी सेवा के वर्ग I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री सिंघल को पूर्वोक्त अवधि के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 अगस्त 1979

सं० 6/644/61-प्रशासन (राज)/6593—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में नियंत्रक, आयात-निर्यात श्री एम० डी० नदकरणी का दिनांक 24-7-79 को निधन हो गया।

सी० एस० आर्य,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
नूते मुख्य नियंत्रक

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अगस्त, 1979

सं० ए-19018(53)/73—प्रशासन (राजपत्रित)—कुमारी एस० रोहिणी ने दिनांक 17 जुलाई, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण) (भारतीय अर्थ सेवा, ग्रेड IV), पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए-19018(389)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, श्री एम० बी० जयकुमार को दिनांक 13 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018(412)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, श्री केशव राम शर्मा को दिनांक 12 जुलाई, 1979, (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान इंदौर में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० ए-19018/439/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, श्री रवि प्रकाश सिन्हा, भारतीय प्रशासनिक सेवा (ए० एम० 1965) को दिनांक 1 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त विकास आयुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 अगस्त 1979

सं० ए-19018(403)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, श्री आर० एन० दास को दिनांक 6 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, मुजफ्फरपुर में सहायक निदेशक, ग्रेड I (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 12(444)/64-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, श्री पी० एस० चड्ढा, स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी तथा विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में स्थाना-पन्न उप निदेशक (औद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) को निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 जुलाई, 1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त,
उप-निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अगस्त 1979

सं० प्र-I/(991)—पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में स्थायी सहायक निदेशक ग्रेड II, श्री एस० के० देसाई निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 31-7-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

कृष्ण किशोर
उप-निदेशक (प्रशासन)
नृते महानिदेशक

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० ए-17011/154/79-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने जमशेदपुर निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (ऐसेइंग) श्री पी० एन० मिश्रा को 9 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक गणपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए-17011/155/79-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने जमशेदपुर निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (ऐसेइंग) श्रीमती जे० पी० ऐलनचरी को दिनांक 5-7-79 के अपराह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) के रूप में स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

पी० डी० सेठ,

उप निदेशक (प्रशासन)
नृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 27 अगस्त 1979

सं० 5285 श्री ए-32014(1-सहायक भूवैज्ञानिक)/78-19
ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री बी० सुन्दरम को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में

वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 27 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 23 अगस्त 1979

सं० सी० 5544/707—निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी') के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर अनंतिम रूप से नियुक्त किया जाता है :—

क्रमांक	नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	तारीख
1.	श्री ए० बी० राय डाफ्टसमैन डि० 1 सिले० ग्रेड	सं० 66 (ए० सी० सी० एम०) पार्टी (सर्वे० हवाई) नई दिल्ली	15 मई, 1978 (पूर्वाह्न)
2.	श्री श्री० पी० गुप्ता सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 64 (ए० एच० एस०) पार्टी सर्वे० (हवाई) नई दिल्ली	3 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एस० बरोमेया सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 18 पार्टी (पूर्वी सकिल) रांची	19 जून, 1979 (अपराह्न)

के० एस० खोसला
मेजर-जनरल,
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1 दिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० एफ० 15-8/78-ए-1—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार
एतद् द्वारा निम्नलिखित (श्रेणी-2 राजपत्रित) नियमित अस्थायी

अधिकारियों को उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीखों से मूल हैसियत पर नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	पदनाम	मूल नियुक्ति की तारीख
1.	श्री सी० पी० मेहरा	वैज्ञानिक अधिकारी	श्री पी० सी० मजूमदार स्थायी वैज्ञानिक अधिकारी के सेवा निवृत्त होने पर उनके स्थान पर दिनांक 14-3-74 से
2.	कु० शोभा बसु	माइक्रोफोटोग्राफिस्ट	श्री एन० आर० आर० चारी, स्थायी माइक्रोफोटोग्राफिस्ट के पुष्टिकरण होने पर अभिलेख सहायक निदेशक (परि०) के स्थान पर दिनांक 31-12-75 से।
3.	श्री ओम प्रकाश भूगरा	-तद्वै-संस्कृति विभाग सं० एफ० 5-69/76-सी० ए० आई० (2) दिनांक 23-9-77 द्वारा पद परिवर्तित होने के स्थान पर दिनांक 23-9-77 से।	
4.	श्री सैयद मो० रज़ा बांकर,	अभिलेखाधिकारी (ओरियन्टल रिकार्ड्स)	श्री ए० डी० खान, स्थायी अभिलेखाधिकारी (ओरियन्टल रिकार्ड्स) सेवा निवृत्त होने पर उनके स्थान पर दिनांक 1-6-76 से।
5.	श्री जे० ए० चिश्ति	अभिलेखाधिकारी, (ओ० रि०)	श्री जे० आर० गुप्ता, स्थायी अभिलेखाधिकारी (ओ० रि०) सेवा निवृत्त होने पर उनके स्थान पर दिनांक 1-6-1976 से।
6.	डा० सरवत भली	-तद्वै-श्री के० एल० भरोड़ा (स्थायी अभिलेखाधिकारी (ओ० रि०) के पुष्टिकरण होने पर अभिलेख सहायक निदेशक (ओ० रि०) के स्थान पर दिनांक 7-7-77 से।	

क्र० सं० नाम पदनाम मूल नियुक्ति की तारीख

7. श्री कबीर कौमर अभिलेखाधिकारी श्री आर० आर० अग्र- (ओ० रि०) वाल, स्थायी अभिलेखाधिकारी (ओ० रि०) के सेवा निवृत्त होने पर उनके स्थान पर दिनांक 21-10-78 से।

भोम सेन कालड़ा प्रशासन अधिकारी राष्ट्रीय अभिलेखागार कृते अभिलेख निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 29 अगस्त, 79

सं० ए० 31013/5/77-(एच० ब्यू०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री जे० एस० मंजुल को 29 जून, 1976 से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा बूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप सहायक महानिदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के स्थाई पद पर स्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 1 सितम्बर, 79

सं० ए०/12026/20/79-प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने डा० नरेश चन्द्र संगल को 1 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से अगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ स्टाफ सर्जन (दन्त) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में कनिष्ठ स्टाफ सर्जन (दन्त) के पद पर अपनी नियुक्ति होने के फलस्वरूप डा० नरेश चन्द्र संगल ने 1 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली से दन्त सर्जन के पद का कार्य भार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 30 अगस्त 1979

सं० ए० 19025/65/78-प्र०III—सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पदों पर निम्नलिखित अधिकारियों की अस्पकासीन नियुक्ति को 31 अगस्त, 79 तक बढ़ाया गया है:—

सर्वश्री

1. आर० एस० सिंह

2. बी० एन० के० मिश्रा

सर्वश्री

3. ए० एन० राव
4. आर० वी० एस० यादव
5. एम० पी० सिंह
6. एच० एन० राय
7. डी० एन० राव
8. एस० पी० शिन्दे
9. आर० सी० मुंशी
10. के० के० तिवारी
11. एस० के० मलिक
12. एस० डी० काथलकर
13. आर० के० पांडे
14. एम० जे० मोहन राव
15. के० के० सिरोही
16. श्रीमती अनुसूया शिवराजन
17. बी० ई० इडविन
18. एस० पी० सक्सेना
19. एन० जी० शुक्ल
20. आर० सी० सिधल
21. एच० एन० शुक्ल
22. के० जी० वाघ
23. एस० सूर्यनारायण मूर्ति
24. वी० एल० वैराघर
25. एस० आर० शुक्ल
26. एम० सी० बजाज
27. एन० एम० येलापति राव
28. के० जयनन्दन
29. सी० एम० गिरधर
30. एस० ए० शमसी
31. एस० एस० आर० शर्मा

बी० एल० मनिहार, निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० न० प० वि० प०/प्रशासन/ 1 (149)/79-एस/10060—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, सिविल अभियन्तण समूह, कलपक्कम के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री एच० गनेशन को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर 16 अगस्त, 1979 के पूर्वान्ह से स्थानापन्न रूप में, अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशासन-I (148)/79-एस/100/79—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, सिविल अभियन्तण समूह कलपक्कम के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री टी० एम० भट्टाधारी, को नरौरा परमाणु विद्युत पर-

योजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर 16 अगस्त, 1979 के पूर्वान्ह से स्थानापन्न रूप में, अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन, प्रशासन अधिकारी
कृते मुख्य परियोजना अभियन्ता

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 3 अगस्त 1979

सं० डी० पी० एस०/23/9/77—स्थापन निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री पी० नारायण कुट्टी को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के अस्थायी क्रय सहायक/श्री आर० के० व्यास को स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810 द० रो० 35-1000 द० रो० 40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 11 जून, 1979 से 28 जुलाई, 1979 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस० 23/9/77—स्थापन निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री एस० पी० आनन्द को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के अस्थायी भंडारी श्री एन० सी० भटनागर को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810 द० रो० 35-1000 द० रो० 40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 4 जून 1979 से 7 जुलाई, 1979 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी० बी० गोपालकृष्णन, सहायक कार्मिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 27 अगस्त 1979

सं० प० ख० प्र-I/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री राम कुमार शर्मा को 13 जुलाई, 1979 की पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक परमाणु खनिज प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस, बी' नियुक्त करते हैं।

ए० एस० राव,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी० ए० पी० पी० 401504, दिनांक 29 अगस्त 1979

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19/(3)/76-आर—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री बाई० आर० बेलणकर की सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 1-8-79 से 16-8-79 तक की अवधि के लिये बढ़ाते हैं।

ए० डी० देसाई
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

(भारत मौसम विज्ञान विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 79

सं० स्थापना (1) 00954—मौसम विज्ञान के महानिदेशक डा० तुफैल अहमद खां को भारतीय मौसम विज्ञान सेवा समूह 'ख' (केन्द्रीय मिश्रित सेवा समूह (ख) में दिनांक 14 जून, 1979 से आगामी आदेशों तक अस्थायी सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

गुरुमुखराम गुप्ता (निदेशक)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1979

सं० ए० 32013/2/79-ईसी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री पी० एन० शर्मा, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन पालम को दिनांक 30-7-79 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है। यह नियुक्ति श्री सी० एल० खैरा, सहायक संचार अधिकारी के स्थान पर की गई है जिन्हें हिन्दी प्रशिक्षण के लिए नामजद किया गया है।

एस० एन० मोतवानी
विशेष कार्य अधिकारी (ई०)

समाहर्तालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

बम्बई-400020 दिनांक 27 अगस्त, 1979

सं० एस० टी०-1/1979-80—दिनांक 21-2-1976 से प्रवृत्त होने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सातवां संशोधन) नियम 1976 के नियम 232 ए के उप नियम (1) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषित किया जाता है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 के अधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्ति अथवा जिन पर अधिनियम की धारा 33 के अंतर्गत 10,000/- रुपये या इससे अधिक का अर्थ-दण्ड दिया गया है, ऐसे व्यक्तियों के नाम, पते एवं अन्य विवरण जो उप नियम (2) में निर्धारित हैं, निम्न प्रकार से हैं:—

I—कोर्ट के मामले

30 जून, 1979 को समाप्त होने वाली तिमाही।

क्रम संख्या	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंघन किया गया	दण्ड राशि
1	2	3	4	5

शून्य

II—विभागीय न्यायनिर्णय

क्रम	जिस व्यक्ति का नाम सं० जिस पर अधिनियम की धारा 33 के अंतर्गत अधिकारी द्वारा 10,000/- रुपये का इससे अधिक का अर्थ-दण्ड दिया गया है।	पता	अधिनियम के प्रावधान अथवा उसके अंतर्गत बने नियमों का उल्लंघन किया गया।	दण्ड राशि	धारा 33 के अंतर्गत न्यायनिर्णित शुल्केय माल का मूल्य जो जब्त किया जाना है।	अधिनियम की धारा 34 के अंतर्गत जब्ती के स्थान पर अर्थ दण्ड की राशि
1	2	3	4	5	6	7

1. सर्वश्री बेस्टन इंडियां
स्प्रिंग एण्ड मैनु कं०
लि०

दत्ताराम लाड़ पथ, नियम 173एफ, 173
काला चौकी, बी के साथ पठित नियम
बम्बई-4000331 9(1), 9ए

रु० 1,00,000/- रु० 7,81,299.00

2. सर्वश्री सुवर्ण प्रोसेसर्स

खेतान इंडस्ट्रियल
कंपाउन्ड नियम 9 (1) के साथ
पठित नियम 173,
173जी (1), नियम
52ए के साथ पठित
रु० 1,000/-
173जी (2), नियम 53
रु० 10,000/-
व 226 के साथ पठित
नियम 173 जी (4)

रु० 1,22,849.38 रु० 20,500.00

कु० श्री दिलीप सिंह जी
समाहर्ता,
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-1

पुणे, दिनांक 30 अगस्त, 1979

सं० 1के० उ० शुल्क पुणे/79—दिनांक 31-12-78 को समाप्त तिमाही के लिए, केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा लवण अधिनियम 1944 की धारा 33 में उल्लिखित अधिकारी द्वारा पता लगाए गए निर्धारित, जिन्होंने केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियमों की व्यवस्थाओं का उल्लंघन किया है और जिन पर उपरिनिर्दिष्ट अधिकारी द्वारा रुपये दस हजार अथवा उस से ज्यादा दंड लगाया गया है, ऐसे निर्धारितियों के नाम, पते तथा अन्य व्योरे दिखलाने वाला विवरण:—

क्रम	निर्धारितियों के नाम तथा पते संख्या	साक्षेदारों के नाम	नियमों की व्यवस्थाएं जिनका उल्लंघन हुआ
1	2	3	4
1	मैसर्स मार्क शिप इंडस्ट्री प्लॉट 4, ब्लॉक 5 भीमरी इंडस्ट्रियल एरिया पुणे-411026	(1) श्री चंडीराम छोटूमल असवानी (2) श्री घनील चंडीराम असवानी (3) श्री राजू चंडीराम असवानी	केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम 1944 के नियम 9 (1) के साथ पठित नियम 173ग (1) (2) नियम 173च, नियम 52 के साथ पठित 173छ(1) 173छ (2) तथा नियम 53 के साथ पठित नियम 173छ-4 उपर्युक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियमों का उल्लंघन कर के 1974-75 तथा 1975-76 में क्रमशः रुपए 4,09,425-11 और रुपये 5,44,696-11 मूल्य के उत्पादशुल्क योग्य माल की निकासी की तथा रुपये 1,90,824-84 के उत्पादशुल्क की उपवचना की।
2	मैसर्स टेक्नो पैकजिंग इंडस्ट्री 185-86, इंडस्ट्रियल एस्टेट सांगली	(1) श्री विजय बाबासाहेब पाटील (2) श्री प्रकाश बसंतराव पाटील	केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम 1944 के नियम 9 (1) के साथ पठित नियम 173च, नियम 52 के साथ पठित नियम 173छ (1) 173छ (2) तथा नियम 53 के साथ पठित नियम 173 छ (4) उपर्युक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियमों का उल्लंघन कर के रुपए 28,93,204-58 मूल्य के उत्पादशुल्क योग्य माल की निकासी की तथा रुपए 91,952-01 के उत्पादशुल्क की उपवचना की।

लगाए गए दंड की राशि	जब्त किए गए माल का उत्पाद-शुल्क योग्य मूल्य	जब्त की संबंध में यदि कोई दंड जमाया गया तो वह राशि	अभ्युक्तियां
5	6	7	8
रुपये 40,000/-	रुपये 1905/-	रुपये 500/-	केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा सीमाशुल्क पुणे के समाहर्ता द्वारा दिनांक 30-5-1977 को मूल आदेश सं० (53) 15-28/न्याय निर्णयन/76 पास किया गया।
20,000/-	3565/-	1000/-	केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा सीमाशुल्क पुणे के समाहर्ता द्वारा दिनांक 26-11-77 को मूल आदेश सं० (68) 15-221/न्याय निर्णयन/76 पास किया गया।

एच० एम० सिंह

समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा सीमाशुल्क पुणे

नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक 31 अगस्त 1979

क्रम संख्या 1—स्टोर्स आफिसर नियुक्ति होने पर श्रीनुत्ता वेन्कटाचलू ने 20 जून को पूर्वाह्न में 650-30-740-35-810-द० अ० -35-880-40-1000 द० अ०-40 1200 के स्केल में शासकीय अफीम एवं अल्कालॉइड वर्क्स अन्डर टेकिंग, नीमच में स्टोर्स आफिसर ग्रुप 'ब' के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

क्रम संख्या 2—रिसर्च आफिसर की नियुक्ति होने पर श्री मन्तला वेन्कटा रामाराम ने 22 जून के पूर्वाह्न में 650-30-740-35-810-द० अ०-35-880-40-1000-द० अ०-40 1200 के स्केल में शासकीय अफीम एवं अल्कालॉइड वर्क्स अन्डर टेकिंग, नीमच में रिसर्च आफिसर ग्रुप 'ब' के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

वी० टी० काले,
मुख्य नियन्त्रक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022 दिनांक 27 अगस्त 1979

सं० 6/5/78-प्रशा०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायक पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक सहायक अभियंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथियों के अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं—

- | | |
|-----------------------------------|---------|
| 1. श्री नवीन सेठ, तकनीकी सहायक | 3-5-79 |
| 2. श्री विजय पाल, पर्यवेक्षक | 23-7-79 |
| 3. श्री के० एल० भूगडा, पर्यवेक्षक | 7-8-79 |

दिनांक, 30 अगस्त 1979

सं० 6/2/79-प्रशा-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री जी० सी० ढोडियाल, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता ग्रेड में 20-7-79 से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

मंतोष विश्वास,
अवर सचिव

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय बड़ीदा हाउस

नई दिल्ली दिनांक 30 अगस्त 1979

संख्या-15—श्री डी० के० टंडन, भारतीय रेलवे सेवा यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग के एक अधिकारी ने दिनांक 30-4-79 उपराह्न से रेल सेवा से त्याग पत्र दे दिया है।

आर० के० नटेशन, महाप्रबन्धक

2-246GI/79

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बालाजी कारगो मूवरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 6 अगस्त 1979

सं० 3184/560/79—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बालाजी कारगो मूवरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कावेरी चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 27 अगस्त 1979

सं० 1779/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कावेरी चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
कर्नाटक

कम्पनी अधिनियम 1956 और केजरीवाल कामार्शियल लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 25 अगस्त 1979

सं० 9734/2945 एल० सी०—अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर केजरीवाल कामार्शियल कारपोरेशन प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल का कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० नारायण, रजिस्ट्रार
ऑफ कम्पनीज
यू० पी० कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 की प्रोप्रायिब कॉमर्सेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद दिनांक 29 अगस्त 1979

सं० 407/टी/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी

जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर प्रोग्रेसिव कांसरन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस का प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 की ग्लोब एक्सपोर्ट प्रमोटर्स लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 29 अगस्त 1979

सं० 2425टी 560 (5)---कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि ग्लोब एक्सपोर्ट प्रमोटर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी० एस० राजु,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
आन्ध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में एवं मैसर्स विलासपुर पेपर एण्ड बोर्ड मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में।

ग्वालियर, दिनांक 31 अगस्त 1979

सं०/1075/बी० एस० वाय०/2906---कम्पनी अधिनियम, 1956 की उपधारा (3) के अंतर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर मैसर्स विलासपुर पेपर एण्ड बोर्ड मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा एवं कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

सुरेन्द्रकुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले और जनता वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में।

बम्बई, दिनांक 31 अगस्त 1979

सं० 10956/219---सिविल अर्जी सं० ---से---में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 29-11-78 के आदेश द्वारा जनता वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का परिभाषन करने का आदेश दिया गया है। (ह०) अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विशाल कोल्ड स्टोरेज लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० 10155/4095 एल०सी०---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विशाल कोल्ड स्टोरेज का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कमल टाकीज प्रा० लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 3 सितम्बर 1979

सं० 10153/3705 एल० सी०---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कमल टाकीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

बी० डी० गुप्ता,
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
यू० पी०, कानपुर

प्रफ़्त आई टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

पूना, दिनांक 25 जुलाई 1979

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० जलगांव/अप्रैल-79/455

—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 2679/46 है तथा जो जलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिणी (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री धगडू लाल लक्ष्मनदास पारेख, बालाजी पो०, जलगांव।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री तुकाराम हरी भोले, जिला पो०, जलगांव,
2. श्री लक्ष्मन हरि भोले, वरनगांव, तालुका भुसावल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी धाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धाखेपुस्तकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उक्त पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भान होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह और उरुवो उपर का मकान जो सी० टी० एस० 2679/46 जलगांव में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल—214-09 स्ववे० मिटर है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 913 दिनांक 27-4-79 को सब रजिस्ट्रार, जलगांव के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 25-7-1979.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/I (एस० आर० III/
12-1978/916:—अतः, मुझे, कु० अंजनी श्रीजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-1/44 है तथा जो हीज खास, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 29-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राजिन्द्र कुमार कायस्था, पुत्र डा० दया शंकर, निवासी
बी-1/44, हीज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ललित कुमार परख पुत्र श्री कान्तो कुमार परख,
निवासी 944, मालीवाड़ा, स्ट्रीट, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजला मकान नं० बी-1/44, हीज खास, नई दिल्ली
जिस का क्षेत्रफल 270 वर्ग गज है और जिसकी बौडरो
निम्नलिखित है :—

उत्तर : बी-1/31, 32 और 33

दक्षिण : रोड़

पूर्व : प्लॉट नं० बी-1/43-ए

पश्चिम : रोड़

कु० अंजनी श्रीजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4-9-1979.

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर० III/
12-78/882:--अतः, मुझे, कु० अंजनी औजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० डब्ल्यू०/92 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 19-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे प्रभरण कनिष्ठ तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उगा नबन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमाय आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री रोशन लाल कवातरा पुत्र श्री भगत राम कवातरा
निवासी 15-यू० बी०, जवाहर नगर, देहली।
जरिये सी० ए० श्री प्रेम प्रकाश कवातरा।

(अन्तरक)

2. श्री बाबा हरशरण सिंह भल्ला, पुत्र श्री हरबंस सिंह
भल्ला केयर आफ मंसूरज बाबा हरबंस सिंह भल्ला
एण्ड सन्ज, टिम्बर मरचंट, कोटला मुबारकपुर,
नई दिल्ली।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करते पूर्णतः वर्णन के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रचोदितकारी के पान
लिखित में किए जा सकेंगे।

टिप्पणी:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड जमीन का प्लॉट जिस का नम्बर डब्ल्यू-92,
स्थित ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली ज़िमकी बाँडरी निम्नलिखित
है:--

पूर्व : सरविस लेन
पश्चिम : रोड़
उत्तर : प्लॉट नं० डब्ल्यू-88
दक्षिण : प्लॉट नं० डब्ल्यू-94

कु० अंजनी औजा,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1,

तारीख : 4-9-1979।

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर० III/12-78/855:—अतः मुझे, कु० अंजनी औजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० काश्ती भूमि है तथा जो गांव सतबड़ी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-12-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुभद्रा श्री चन्द पति आर० एस० श्री-चन्द निवासी शिमला, मारफत मुख्त्यार श्रीमती विद्या सटीकस पति श्री एल० सी० सटीकस, निवासी शिमला।

(अन्तरक)

2. श्री ठाकर दास, पुत्र श्री किशन जन्म जरीये परवेश रविन्द्र क० दरबारी लाल मारकीट, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्ताम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20 विद्या 12 बिमबा काश्तकारी भूमि स्थित गांव सतबड़ी, तेहसील मेहरोली, नई दिल्ली।

कु० अंजनी औजा,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली -1

तारीख : 4-9-1979.

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 31 अगस्त 1979

निदेश सं० एच० एन० एम०/3/78-79: अतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानियां, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि रकबा 3 कनाल 8 मरले है तथा जो भेरी अकबरपुर, तहसील हांसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हांसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से बहन प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य प्राप्तिओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. सर्वश्री बजरंग मोहन, रतांश मोहन, पुत्रान श्री राम स्वल्पा, अरुन कुमार, सतीश कुमार अलियास सुरेश कुमार, राजेन्द्र कुमार, अशोक कुमार पुत्रान श्री शाम सुन्दर निवासी हिमामा बाजार, सिरसा (प्रन्तरक)

2. (1) श्रीमती कौशल्या देवी पति श्री जमना वास निवासी निकट प्रताप टाकीज, रोहतक।
(2) श्रीमती यशोदा रानी पति श्री बलवन्त सिंह निकट डाकखाना, टोहाना।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियों करना है।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

संपत्ति भूमि रकबा 3 कनाल 8 मरले स्थित भेरी अकबरपुर तहसील हांसी तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता हांसी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2030 तिथि 18-12-1978 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानियां,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 31-8-1979.
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 31 अगस्त 1979

निदेश सं० एच० एन० एस०/2/78-79—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानियां, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि रकबा 3 कनाल 8 मरले है तथा जो भेरी अकबरपुर, तहसील हांसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हांसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में तय नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य वास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अंतर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. सर्वश्री जगदीश मोहन तथा राजेन्द्र मोहन पुत्रान श्री बृज भूषण लाल निवासी शंकर निवास, तहसील रोड, हिसार।

(अन्तरक)

2. श्री सुदेश कुमार पुत्र श्री बलवन्त सिंह मरिया श्री करनैल सिंह पुत्र श्री लखमन सिंह मरिया नजदीक डाकखाना, टोहाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर मुमकिन भूमि रकबा 3 कनाल 8 मरले जोकि भेरी अकबरपुर, तहसील हांसी तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता हांसी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2029 तिथि 18-12-1978 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानियां,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 31-8-1979.

मोहर:

प्रा.रूप घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 31 अगस्त 1979

निदेश सं० एन० एच० एस०/4/78-79—प्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है—
और जिसकी सं० सिनेमा बिल्डिंग “राज लक्ष्मी थियेटर” है तथा जो भेरी अकबरपुर (उकलाना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हांसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. सर्वश्री जगदीश मोहन व राजेन्द्र मोहन, पुत्रान श्री राज भूषन लाल, श्रीमती ललिनी जगदीश मोहन, पत्नी श्री जगदीश मोहन श्रीमती सुशीला मोहन पत्नी श्री राजेन्द्र मोहन, निवासी शंकर निवास, तहसील रोड, हिसार।

2. श्री राम स्वरूप बंसल पुत्र श्री राम कंवर श्रीमति सावित्री देवी पत्नी श्री राम स्वरूप श्री शाम सुन्दर, पुत्र श्री राम लाल श्रीमति सूरज देवी पत्नी श्री शाम सुन्दर निवासी हिमरिया बाजार, सिरसा।

(अन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री रतन कुमार व राज कुमार पुत्रान श्री बलबन्त सिंह, मंजू घोवर पत्नी श्री ईश्वर चन्दर धर्म घोवर पत्नी श्री लाजपत राय हंस राज पुत्र श्री साधुराम नजदीक डाकखाना, टोहना।
2. श्री कृपाल शाह पुत्र श्री संत सिंह, ग्राम कादल कलां (कपूरथला)।
3. श्री रामजी दास पुत्र श्री मोहरी राम, डाकखाना टोहना।
4. श्रीमती राज रानी पत्नी श्री सुन्दर कुमार अरुण मरिया पुत्र श्री विनोद कुमार मरिया निकट डाकखाना, टोहना।

(अन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्तियों के धर्तन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रश्न:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सिनेमा बिल्डिंग “राज लक्ष्मी थियेटर” स्थित भेरी अकबरपुर (उकलाना) तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता हांसी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2031 तिथि 18-12-1978 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 31-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एच०—

भा० कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 31 अगस्त 1979

निदेश सं० एच० एन० एस०/ 2 से 4/78-79—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानियां, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सिनेमा बिल्डिंग तथा भूमि रकबा 6 कनाल 16 मरले है तथा जो मेरी अकबरपुर (उकलाना) में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हांसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) सर्वश्री राजेन्द्र मोहन, जगदीश मोहन पुत्रान बृज भूषण लाल ; परस राम पुत्र जोत राम ; बजरंग मोहन सतीश मोहन पुत्रान राम स्वरूप ; राम कुमार, अरुण कुमार, सतीश कुमार पुत्रान शाम सुन्दर ; राजेन्द्र कुमार, अशोक कुमार पुत्रान शाम सुन्दर, निवासी सिरसा ; श्रीमति सवित्री देवी पत्नी राम स्वरूप बत्सल ; शाम सुन्दर बत्सल पुत्र राम लाल ; श्रीमती सूरज देवी पत्नी शाम सुन्दर निवासी

सिरसा ; श्रीमती सुशीला मोहन तथा श्रीमती नलिनी जगदीश मोहन पत्नी जगदीश मोहन निवासी हिसार ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री सुदेश कुमार पुत्र बलवन्त सिंह ; करनैल सिंह पुत्र लछमन सिंह निवासी टोहाना ; श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी जमना दास निवासी रोहतक ; यशोदा रानी पत्नी बलवन्त सिंह, निवासी टोहाना ; रतन कुमार, राज कुमार, पुत्रान बलवन्त सिंह निवासी टोहाना ; मंजु ग्रोवर पत्नी ईश्वर चन्द निवासी हिसार ; धर्म ग्रोवर पत्नी लाजपत रामे निवासी रोहतक ; हंस राज पुत्र साधु राम, निवासी टोहाना राजा रानी पत्नी सुन्दर कुमार अरुण मडिया पत्नी विनोद कुमार रामजी लाल पुत्र मोहरी राम, निवासी टोहाना, कृपाल शाह पुत्र सन्त सिंह निवासी करल कलां (कपूरथला) इत्यादि ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदस्थानी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति सिनेमा बिल्डिंग नाम "राज लक्ष्मी थियेटर" सहित भूमि रकबा 6 कनाल 16 मरले जोकि मेरी अकबरपुर (उकलाना) में स्थित है तथा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता हांसी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2029 , 2030 तथा 2031 तिथि 18-12-1978 पर दर्ज है ।

रवीन्द्र कुमार पठानियां
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 31-8-1979
मोहर :

प्रकृप आई० सी० एन० एस०—

(1) श्री सुरेश बासुदेव चिमोटे कैम्प अमरावती ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 जून 1979

फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/91/79-80:—यतः मुझे, एम० बी० आर० प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 का 57405 स्क्वेयर फीट जगह तथा जो कैम्प अमरावती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय अमरावती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय भाषा गया अधिकतम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः, एवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:—

(2) अप्रतीम सहकारी गृह निर्माण संस्था, भयंदिता, अमरावती ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8 का 57405 स्क्वेयर फीट जगह जिसका प्लॉट नं० 12, जेल रोड़, कैम्प अमरावती में स्थित है ।

एम० बी० आर० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नागपुर

तारीख : 11 जून, 1979 ।
मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 जून 1979

फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/92/79-80:—यतः मुझे,
एम० बी० आर० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 549/0+, प्लॉट नं० 143
तथा 145 है तथा जो सिताबजी, नागपुर में स्थित है (और
इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-12-78
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तिबो
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महादेवराव किसनजी छोटे तर्फे : बसंत फाईन
आर्ट लिथो वर्कज, गोंदीया जि० भंडारा।
(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश महादेव छोटे तर्फे : बसंत फाईन आर्ट
लिथो वर्कज, गोंदीया, जि० भंडारा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धास्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नं० 549/0+1, प्लॉट नं० 143 तथा 145 जो
वार्ड नं० 2, तेलीपुरा मालविया रोड़, सिताबजी नागपुर में
स्थित है।

एम० बी० आर० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 11-6-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अगस्त, 1979

निदेश सं० पटियाला/196/78-79:—अतः मुझे, आर०

के० भलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा (1672 वर्गमीटर/0-16-44 हैक्टर) है तथा जो त्रिपड़ी मैदान, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन अर्थात्:—

(1) श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी हरदेव सिंह, त्रिपड़ी मैदान, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति प्रकाश कौर पत्नी श्री अकाल सेवक सिंह, वासी धर्मपुरा, बाजार, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा (1672 वर्गमीटर/0-16-44 हैक्टर) है और जो त्रिपड़ी मैदान, पटियाला में स्थित है।

(जायबंद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4679 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० भलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अगस्त, 1979।
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त 1979

निवेश सं० लुधियाना/147/78-79:—अतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी०-1-630/12 का भाग, जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 44.4/9 वर्ग गज है तथा जो कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री अमरिका सिंह, वासी बी-1-630/12, कुच्चा नं० 8, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरि वास पुत्र श्री तुलसा सिंह वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

(3) श्री बाबू राम मंसूरज बाबू राम सार्इकल वर्क्स, श्री सवरन सिंह, वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० बी-1-630/12 का भाग जो कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विवेक संख्या 3484, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 अगस्त, 1979 ।

मोहर :

प्रकृष आई० डी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त, 1979

निदेश सं० लुधियाना/151/78-79—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी०-1-630/12 का भाग, जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 44.4/9 वर्ग गज है तथा जो कुन्दन पुरी, सीबील लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री अमरिक सिंह, वासी बी-1-630/12, बुच्चा नं० 8, कुन्दन पुरी, सीबील लाईन, लुधियाना।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती जय कौर पत्नी श्री तुलसा सिंह, वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, सीबील लाईन, लुधियाना।

(प्रन्तरिती)

(3) 1. श्री बाबू राम, मैसर्स बाबू राम साईकल वर्क्स,
2. श्री सवरन सिंह, वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, सीबील लाईन, लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० बी-1-630/12 का भाग, जो कुन्दन पुरी, सीबील लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3508, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना,

तारीख : 10 अगस्त, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त, 1979

निदेश सं० लुधियाना/153/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० हिस्सा मकान नं० बी-1-630/12 जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 66.2/3 वर्ग गज है तथा जो कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र अमरीक सिंह, वासी बी-1-630/12, कुच्चा नं० 8, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री रोशन दास पुत्र श्री तुलसा सिंह, वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री बाबू राम, मैसर्स बाबू राम साईकल वर्क्स,
(2) श्री सवरन सिंह, वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग, में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-1-630/12 का भाग जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 66.2/3 वर्ग गज है और जो कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3515, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 अगस्त, 1979.

मोहर :

प्रस्ताव माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त, 1979

निदेश सं० लुधियाना/146/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-1-630/12 का भाग, जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 44.4/9 वर्ग गज है तथा जो कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभावित:—

4-246GI/79

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री अमरिक सिंह, वासी बी-1-630/12, कुच्चा नं० 8, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री तेज पाल पुत्र श्री तूलसा सिंह वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री बाबू राम, मैसर्ज बाबू राम साईकल वर्क्स, (1) श्री सवरन सिंह, वासी बी-1-630/12 कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-1-630/12 का भाग, जो कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3480, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 अगस्त, 1979

मोहर :

प्रमाण नम्बर टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त, 1979

निर्देश सं० पटियाला, 241/78-79 :—अतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसमें इसका अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल है और जो त्रिपड़ी साईदां (हकमत कालोनी), पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धनरिज को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धनरक (धनरकों) और धनरिती (धनरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धनरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) धनरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धनरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र हरदेव सिंह गरेवाल वासी बिवरियां रोड़, लौहरी गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री बलिनन्दर सिंह पुत्र श्री सुखिन्दर सिंह वासी 27-डी, माडल टाऊन, पटियाला

श्री कराल सिंह पुत्र पूरन सिंह वासी उभावाल तहसील सुनाम, जिला संगरूर तथा

श्रीमति कमलेश कुमारी पत्नी सुरिन्दर कुमार, वासी 27-डी माडल टाऊन, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल है जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5457, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 10 अगस्त, 1979।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त, 1979

निर्देश सं० लुधियाना/160/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 46, है तथा जो भदौड़ हाउस, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री किदार नाथ ओहरी सपुत्र श्री विद्या शंकर, 43, हौस्पिटल रोड, करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी पत्नी श्री अयोध्या प्रमाद बी/2/1397, दीपक सिनेमा रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

46, भदौड़ हाउस जिसका क्षेत्रफल 136.28 वर्ग गज है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 3682 में वर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 अगस्त, 1979।

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त, 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़, 260/78-79:—अन: मु.अ. आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 50 सेक्टर 8-ए है तथा जो चण्डीगढ़
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमति सुमित्रा देवी विद्या स्वर्गीय श्री शंकर लाल ।
2. श्री सन्तोष कुमार पुत्र स्वर्गीय शंकर लाल निवासी
38, स्पैरशाल रोड, इर्शलिंगटन लंडन ।
3. श्रीमति आशा बडौला पति कमांडर सुरेन्द्र
बडौला नौसेना बेस, विशाखापटनम ।

(अन्तरक)

- (1) 1. श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह 2. श्रीमति
धनवन्त कौर पति श्री जगजीत है, 3. श्री कंवल नैन
सिंह, 4. श्री नैनचन्द्र सिंह, 5. श्री मान चन्द्र सिंह
द्वारा श्री जगजीत सिंह निवासी मकान नं० 50 सेक्टर
228-ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

- (3) श्री जी० के० जैन निवासी 50/8-ए, चण्डीगढ़ ।
(वह सम्पत्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 50 सेक्टर 8-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के
विलेख नं० 785 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है ।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 अगस्त, 1979 ।

मोहर :

आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

लुधियाना, अर्जन रेंज

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त, 1979

निदेश सं० नाभा/84/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1 एवं 2 सहित प्लॉट क्षेत्रफल 51.25 वर्ग गज है तथा जो हीरा महल नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति गुणं देवी पति श्री राम स्वरूप शर्मा निवासी 3320 सेक्टर 27—डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति लाजवन्ती पति श्री परपोत्तम दास मुहल्ला बटावाला (बटो स्ट्रीट) नाभा।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री बलबीर सिंह, 2. श्री गांधी पेन्टर, 3. श्री हरिचन्द निवासी दुकान नं० 1-2, पटियाला रोड़, हीरा महल कालोनी, नाभा।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान सहित प्लॉट का क्षेत्रफल 51.25 वर्ग गज जो कि पटियाला रोड़, हीरा महल कालोनी नाभा में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय विलेख सं० 1930 दिसम्बर में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-8-1979।

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त 1979

निदेश सं० नाभा/85/78-79:—अतः मुझ, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3 एवं 4 है तथा जो पटियाला रोड़, हीरा महल कालौनी, नाभा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978]

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमति गुहां देवी पत्नि श्री राम स्वरूप शर्मा निवासी मकान नं० 3320 सेक्टर 27-डी चण्डी-गढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री परपोत्तम दास पुत्र श्री सैलिंग राम निवासी मुहल्ला बटावला (बटा स्ट्रीट) नाभा।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री पवन सिंह, 2. श्री वेद प्रकाश, निवासी दुकान नं० 3 एवं 4, हीरा महल, कालौनी पटियाला रोड़, नाभा।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अर्जेंट के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेंट के सम्बन्ध में की जा सकती है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3 एवं 4 जो कि पटियाला रोड़, हीरा महल कालौनी नाभा में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख नं० 1931 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है।)

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रैंज, लुधियाना

तारीख : 10 अगस्त, 1979।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एल०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़/251/78-79:—अतः मुझे, आर० के०
मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 652.17 है तथा
जो सैक्टर 23-ए चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता
अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्रीमती स्वर्ण कपूर श्रीमती दुर्गा देवी, श्री सुनील,
कपूर (द्वारा स्पेशल अटार्नी श्रीमति स्वर्णा कपूर)
अनिल कपूर, राजीव कपूर, विमल कपूर, मिस
मधु कपूर, संजीव कपूर, मिस नीरु कपूर, जो कि
सभी स्वर्गीय श्री एस० एल० कपूर की पत्नि, पुत्र
पुत्रियां हैं। सभी मकान नं० 410 सैक्टर 22-ए,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति शान्ति देवी पत्नि श्री जगदीश राए गोयल
निवासी मकान नं० 3945/2, पलंग बाजार,
पिटयाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रावधान 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 652.17 वर्ग गज नं० 111 जोकि
सैक्टर 23-ए चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय की विलेख सं० 723 दिसम्बर, 1978 में दर्जा
है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 अगस्त, 1979
मोहर:

प्रकरण धारा 54 का प्रावधान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त, 1979

निदेश सं० खन्ना/54/78-79:—अतः मझे, आर० के०

मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 20 कनाल 16 मरला है तथा जो गांव रहौन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वस्तुधर्मियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या बिया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री ज्ञान सिंह, हरवत्स सिंह व सन्तोख सिंह, गांव रहौन (खन्ना) ।

(अन्तरक)

(2) अमर सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह पुराना सिनेमा रोड, खन्ना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संरक्ष में कोटि सा सांभाला :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 20 कनाल 16 मरला गांव रहौन । जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1642/12/87 में दर्ज है ।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 अगस्त, 1979
मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त 1979

निवेश सं० खन्ना/53/78-79:—अतः मुझे, आर० के०
मलहोत्रा,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 18 कनाल जमीन व बाग है तथा जो गांव
रहौत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख दिसम्बर 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5--246GI/79

- (1) सर्वश्री ज्ञान सिंह, हरबन्स सिंह व सन्तोष सिंह गांव
रहौत (खन्ना) ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती गुरचरण कौर पुराना सिनेमा रोड,
खन्ना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी याक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

राष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन 18 कनाल व बाग गांव रहौत (खन्ना) में
जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं०
1602/12/78 में दर्ज है ।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 अगस्त, 1979 ।

मोहर :]

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त, 1979

निदेश सं० पटियाला/187/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 1658/5 संत निवास, फर्रेन्डस कालोनी पटियाला, है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक निधि में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाए में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री गुरिन्द्र सिंह सेखों पुत्र श्री गुरबखश सिंह सेखों निवासी 2032 सैक्टर 15-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)
- (2) श्री ज्ञान चन्द शर्मा, पुत्र श्री राम रत्न शर्मा, निवासी 1680/3 रघुमाजरा, पटियाला।
(अन्तरितों)
- (3) रीमांड उवजखेशन हाउस सोशल वेलफेयर डीपार्टमेंट, पंजाब गोरमेंट संत निवास फर्रेन्डस कालोनी, पटियाला।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी सं० 1658/8, जिसका क्षेत्रफल 856 वर्ग गज है तथा जो फर्रेन्डस कालोनी संत निवास पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विनेत्र संख्या 4502 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त, 1979।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त, 1979

निर्देश सं० पटियाला/305/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 67 कनाल 7 मरले है तथा जो गांव लंग, तहसील पटियाला, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री नीमल कुमार व वेद प्रकाश पुत्र श्री सरूप चन्द वासी मकान सं० 1873/3, निम्न वाला चौक, राधोमाजरा, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री रञ्जन सिंह पुत्र श्री किशन सिंह व श्री तारा सिंह पुत्र श्री विशना राम, वासी गांव-लंग, तहसील पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 67 कनाल 7 मरले है और जो गांव लंग, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4618 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त, 1979।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निवेदन सं० पटियाला/219/79-80/124:—यतः मुझे,
आर० के० मलहोत्रा,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल है तथा जो
गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपायद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक और स कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:—

(1) महारानी तलीप कौर विधवा स्व० महाराजा भूपिन्द
सिंह वासी कोठी लाल बाग, पटियाला ।
(अन्तरक)

(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री बच्चन सिंह पुत्र हरनाम
सिंह, नाभा गेट, 5-मीन, न्यू पटियाला ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल है और जो गांव घलोड़ी
तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 5163, जनवरी, 1979 में दर्ज
है) ।

आर० के० मलहोत्रा,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सक्षम प्राधिकारी,

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त, 1979 ।

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं० पटियाला/184/78-79:—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है तथा जो
गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परब्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धातियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) महारानी दलीप कौर विधवा स्व० महाराजा
भूपिन्दर सिंह वासी पटियाला द्वारा जनरल अटारनी
श्री सोमराज सिंह पुत्र श्री पृथ्वीराज सिंह वासी
कोठी लाल बाग, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र बचन सिंह वासी 5-ग्रीन
व्यू, पटियाला।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

पञ्चगुणी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है और जो गांव घलोड़ी,
तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
विलेख संख्या 4472, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त, 1979।

मोहर :

प्ररूप, आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त, 1979

निदेश सं० नाभा/91/78-79:—अतः मुझ, आर० के०

मलहोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बिघा 1 बिघा है तथा जो गांव जातीवाल, तहसील नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकर में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री गुरवियाल सिंह पुत्र सेवा सिंह वासी गांव भली नंगल तहसील व जिला गरदासपुर।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री गुरचरन सिंह व जोरा सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह, गांव रायमल साजरी, तहसील नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बिघा 1 बिघा है और जो गांव जातीवाल, तहसील नाभा में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 1977, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है।)

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 16 अगस्त 1979।

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़/258/78-79:—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2039, सैक्टर 21-सी, है तथा जो
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डी-
गढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्री स्वदेश कुमार गुप्ता पुत्र स्व० श्री चिरन्जी लाल
गुप्ता, चिरन्जीव भवन, अमरिक सिंह रोड, भटिंडा।
(अन्तरक)

(2) श्री अमृत लाल चोपड़ा पुत्र श्री निरन्जन दास चोपड़ा,
बासी 2039, सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2039, सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 778, दिसम्बर, 1978 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त 1979।

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़/256/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 1265 सेक्टर 8-सी चण्डीगढ़ है तथा जो, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

(1) श्रीमती सुमित्रा देवी पति श्री ए० आर० सहिगल वासी बी-79, निया रजिन्द्रा नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कैलाश ऐबट पति श्री रमेश चन्द्र ऐबट, राजधानी मोटर, शो रूम नं० 42 सेक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री एस० के० कपूर, घर नं० 1265, सेक्टर 8-सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जिसका नं० 1265 है तथा जो सेक्टर 8 सी चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख नं० 752 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त 1979।

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०---

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं० धरी/75-ए/78-79:—अतः मुझे, आर० के०
मलहोत्रा,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 27 बिघा 4 विश्वास
है तथा जो गांव जखलां, सब-तहसील धरी, में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, धरी में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जंगीर सिंह पुत्र श्री पीचो वासी गांव जखलां,
सब-तहसील धरी।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री प्रीतम सिंह, लाल सिंह, चन्द सिंह, केसर सिंह
पुत्र श्री उजागर सिंह वासी गांव जखलां, डा० मीमसां,
सब-तहसील धरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 बिघा 4 विश्वास है और जो गांव
जखलां, सब-तहसील धरी में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, धरी के कार्या-
लय के विलेख संख्या 2730, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त, 1979।

मोहर :

प्रकट भाद्र० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

विलेख सं० पटियाला/189/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,
सहायक आयकर अधिकारी, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि अन्तर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 0-16-69
हेक्टर है तथा जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है
(और इससे उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,
1978 की

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्तव्य
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित दृश्य है उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किंवा आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किंवा धन या अन्य आस्तियों
को, जिनके अन्तर्गत आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति हरबन्स कौर पत्नी श्री हरदेव सिंह ग्रेवाल
वासी बिवरियां रोड, लौहरी गेट, पटियाला।
(अन्तरक)

(2) श्रीमति रजिन्दर कौर भल्ला पत्नी मनमोहन सिंह
भल्ला वासी राधोमाजरा, पटियाला।
श्रीमति अवतार कौर पत्नी उजागर सिंह वासी
बेर हाऊस, पटियाला।
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तर्गत के सम्पत्ति में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या न्यूनतमवर्गी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होता हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किंवा व्यक्तिता ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में निवृत्त किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोद्घातकारी के नाम लिखित
में किया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही
र्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 0-16-69 हेक्टर है
और जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 4545, दिसम्बर, 1978 में
दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निर्देश सं० पटियाला/183/78-79:—अतः मझे, आर० के० मलहोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है तथा जो त्रिपड़ी साईदों, पटियाला में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण का जितना कम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री हरिवर सिंह गरेवाल, वासी बीवरीयां रोड, लीहरी गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री प्यारा लाल, वासी 66-बी, डी० एल० एफ०, कालोनी, पटियाला।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में दृश्यमान किया गया प्रतिफल, यथापूर्वोक्त व्यक्तियों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राशरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है और जो त्रिपड़ी साईदों, पटियाला में स्थित है।

(जायशद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4445, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त, 1979।

मोहर :

प्रश्न भाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं० नाभा/98/78-79:—अतः मझे, आर० के०

मलहोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 3 विश्वा है तथा जो गांव दंदराला ढिड़सा, तहसील नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति परमजीत कौर पत्नी सुखपाल सिंह वासी गांव दंदराला ढिड़सा, तहसील नाभा।

(अन्तरक)

(2) श्री सरवन सिंह पुत्र श्री नाहार सिंह, वासी गांव दंदराला ढिड़सा, तहसील नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 23 विश्वा है और जो गांव दंदराला ढिड़सा, तहसील नाभा में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 2045, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त, 1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निर्देश सं० पटियाला/186/78-79:—अतः मझे, आर० के०
मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 0-40-47
हैक्टर का 1/9 भाग है तथा त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नपचाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री हरजीत सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल,
वासी बीबरीयां स्ट्रीट, लोहरी गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री भाग सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह, वासी नोफखाना
गेट, पटियाला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हरदीनकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 0-40-47 हैक्टर का
1/9 भाग है और जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित
है।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 4498, दिसम्बर, 1978 में
दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा;

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त, 1979।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं० पटियाला/185/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1/9 भाग 0-40-47 हेक्टर का है तथा जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसा अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी खर्च या अन्य वास्तविकी को जिन्हे पारधीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री हरजीत सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल वासी बीवरीयां स्ट्रीट, लौहरी गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह वासी तोफ खाना गेट, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी राज्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी, के भाग में पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नलिखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवादस्तामरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 0-40-47 हेक्टर का 1/9 भाग है और जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4497, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 16 अगस्त, 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं० पटियाला/198/78-79:—अतः सू० आर० के०
मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सभ्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 11 सरले
है तथा जो गांव बलोड़ी, तहसील पटियाला, में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,
1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति बलराम कौर विश्रवा स्व० महाराजा भूपिन्दर
सिंह, पटियाला जनरल अदालती श्रीमति मिनाक्षी
जहन्नापुरी पृथ्वीराज सिंह बामी कोठी लाल बाग,
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सुरजीत कौर पुत्री श्री नारायण सिंह बामी
पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तावरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 11 सरले है और जो गांव
बलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(नारायण जैपाल रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के निवेदन संख्या 4724, दिसम्बर, 1978 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 16 अगस्त 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/268/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० अर्नैक्सी नं० 1099, प्लॉट नं० 35, स्ट्रीट बी, है तथा जो सक्टर 21-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति शान्ती देवी पति श्री राम रखा मल, वासी मकान नं० 1012, सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री अक्षय हान्डा (माईनर) द्वारा एन/जी व पिता श्री विद्या सागर हान्डा वासी दुकान नं० 20, सैक्टर 20-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरूक रता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अर्नैक्सी नं० 1099, प्लॉट नं० 35, स्ट्रीट बी, सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 823, जनवरी, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 अगस्त 1979।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० एम० एल०/98/78-79—अतः मुझे

आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग दुकान है तथा जो लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ़ में स्थित है (और इससे उपावख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
7-246GI/79

1. श्री बाबू राम पुत्र श्री रेलू राम, वासी लोहा बाजार, मण्डी, गोबिन्दगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ता देवी पत्नी श्री दर्शन कुमार मारफत मैसर्स जैन आईरन स्टोर, बरनाला। (अन्तरिती)

3. मैसर्स आई० एस० स्टील, कारपोरेशन, लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग दुकान जो लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1372, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 17 अगस्त 1979

मोहर :

अध्याय आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० एम० एल०/97/78-79—अतः मुझे
भार० के० मलहोत्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 भाग दुकान है तथा जो लोहा बाजार,
मण्डी गोबिन्दगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के बिना सब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिना;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट:—

1. श्री बन्त राम पुत्र रेलू राम वासी लोहा बाजार,
मण्डी, गोबिन्दगढ़। (अन्तरक)

2. श्री पवन कुमार पुत्र इन्दर सैन मारफत मैसर्स
जैन आईरन स्टोर, बरनाला। (अन्तरिती)

3. मैसर्स आई० एस० स्टील कारपोरेशन, लोहा
बाजार, मण्डी गोबिन्द गढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषितकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रकरण में
दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग दुकान जो लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ़
में स्थित है।

(जायवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के
कार्यालय के विलेख संख्या, 1371, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)

भार० के० मलहोत्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 17 अगस्त 1979।

मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० पी० टी० एस०/195/78-79—प्रतः मुझे धार० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 2.5 मरले है तथा जो त्रिपड़ी साईदा पटियाला में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और, अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या धर्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्या यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल वासी बीवरीयां रोड़, लौहरी गेट, पटियाला । (अन्तरक)

2. श्री तेजिन्दर सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह वासी सामने हीरा बाग, राजपुरा रोड़, पटियाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धर्म्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपस्थीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धारा 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धार्या में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 2.5 मरले है और जो त्रिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4678, दिसम्बर 1978 में दर्ज है) ।

धार० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 17 अगस्त 1979

मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अगस्त 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/208/78-79—अतः मुझे
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 8764/5 का भाग है तथा जो
बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)

1. श्री आर० एन० बेरी पुत्र श्री सरन दास बेरी वासी
मकान नं० 26/1 लौहरी गेट, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री जय नारायण प्रकाश चोपड़ा, श्री जय गोपाल
चोपड़ा, श्री यशपाल चोपड़ा, श्री हरिनंदर पाल चोपड़ा,
श्री कमल कुमार चोपड़ा, पुत्र श्री तजिन्दर नाथ चोपड़ा
वासी मकान नं० 8764/5, बराड़ स्ट्रीट नजदीक रेलवे
फाटक नं० 22, पटियाला।

3. श्री डी० एस० सिधू, आयकर अधिकारी, पहली
मंजिल, मकान नं० 8764/5, बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे
फाटक नं० 22, पटियाला।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

हस्ताक्षरकर्ताः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8764/5 का भाग, जो बराड़ स्ट्रीट,
नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 5003, जनवरी, 1979 में
वर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 17 अगस्त 1979

मोहर:

प्रकरण धाई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/208 ए/78-79—अतः मुझे

आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 8764/5 का भाग है तथा जो बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला में स्थित है (और इससे-उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान - प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प-द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिणी (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिद्ध तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार न होने से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रजिन्दर लाल बेरी पुत्र श्री सरन दास बेरी, वासी मकान नं० 26/1, लौहारी गेट, पटियाला । (अन्तरिण)

2. श्री जय नारायण प्रकाश चोपड़ा, श्री जय गोपाल चोपड़ा, श्री यशपाल चोपड़ा, श्री हरिनंदर पाल चोपड़ा, श्री कमल कुमार चोपड़ा पुत्र श्री जतिन्दर नाथ चोपड़ा वासी मकान नं० 8764/5, बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला । (अन्तरिणी)

3. श्री डी० एस० सिधू, आयकर अधिकारी, पहली मंजिल, मकान नं० 8764/5 बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 8764/5 का भाग जो बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4681 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अगस्त 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/180/78-79—अतः मुझे
आर० के० मलहोत्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से
अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 0-23-90
हेक्टर है तथा जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह
गरेवाल, वासी लौहरी गेट, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्रीमति अवतार कौर श्री उजागर सिंह वासी बेर
हाऊस, पटियाला व श्रीमति इकवाल कौर पत्नी भगवान सिंह
वासी जन कल्याण स्ट्रीट, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 0-23-90 हेक्टर है
और जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 4314, दिसम्बर, 1978 में
दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 अगस्त 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अगस्त 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/177/78-79—अतः मुझे,
आर० के० मलहोत्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल
है तथा जो त्रिपट्टी साईदां, पटियाला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
दिसम्बर 1978
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति जसवन्त कौर पत्नी श्री हरिन्दर सिंह शरेवाल
वासी बीवरीयां रोड, लौहरी गेट, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्रीमति सुनीता गर्ग पत्नी श्री हुकम चन्द वासी
बी-66, डी० एल० एफ० कलोनी, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है और जो
त्रिपट्टी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 4240, दिसम्बर, 1978 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 अगस्त 1979

मोहर :

प्रकृष धाई० टी० एन० एच०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अगस्त 1979

निर्देश सं० के० एच० आर०/7/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 629, फेज I, है तथा जो एस० ए० एस० नगर, मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिकल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिकल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धारितियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरी किशन पुत्र श्री चूनी लाल वासी बूथ नं० 18, सैक्टर 18 सी०, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री द्वारका दास शर्मा पुत्र श्री हरनाम दास, श्रीमति शान्ति देवी पत्नी श्री द्वारका दास शर्मा वासी 2378, सैक्टर, 19-सी०, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 629 फेज 1, एस० ए० एस० नगर, मोहाली : तहसील खरड़।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 3783 जनवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 अगस्त 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज आयकर सदन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अगस्त 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/273/78-79—अन: मुझे आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिवकी सं० मकान नं० 533, सैक्टर 18-बी, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

8—246GI/79

1. श्रीमति गरगी मीकन्द विधवा श्री ओ० पी० मीकन्द, कुमारी कंवल मीकन्द, कुमारी हेमा मीकन्द, पुत्रीयां श्री ओ० पी० मीकन्द वासी 3311, सैक्टर 19-डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री वीर सिंह, श्रीमति शाम कीर पत्नी गुरबचन सिंह, श्री मुखविन्दर सिंह श्री अवतार सिंह, श्री रजिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरबचन सिंह वासी 90-आई० मार्ग नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

3. मैमर्ज मोहन इंडस्ट्रीज, 23, इंडस्ट्रीअल एरिया, चन्डीगढ़ (वर्तमान जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 533, सैक्टर 18-बी, चन्डीगढ़।

(जोबेदाद जैसाकि रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के विनोद संख्या 869, जनवरी 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख 18 अगस्त 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अगस्त 1979

निदेश सं० पी० टी० एम०/192-78-79—अनः मुझे
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल
13 मरले है तथा जो त्रिपड़ी माईदा, पटियाला में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थवादी सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी अन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1962 (1957 का 27) के
प्रयोजन पर अन्तरिती द्वारा प्रवृत्त नहीं किया गया
था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमति हरबन्ध कौर पत्नी हरदेव सिंह गर्गवाल वासी
बीरगरीयां स्ट्रीट, लीडरी गेट, पटियाला 1 (अन्तरक)

2. श्रीमति इवाल कौर पत्नी श्री भगवान सिंह वासी
जन कल्याण स्ट्रीट, पटियाला 1 श्रीमति अश्वतार कौर पत्नी
श्री उजागर सिंह वासी बेर हाऊस, पटियाला 1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध ई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- उपमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्यं होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 13 मरले
है जो त्रिपड़ी माईदा, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विवेक संख्या 4621, दिसम्बर, 1978 में
दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 अगस्त 1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० एन० डी० एन०/155/78-79--- अतः

मुझे आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

आर० जिसकी सं० कोठी नं० 136 एन० व आर० का 10/13 भाग है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अधिनियम में हुई किसी प्राप को शकत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकृत न करों करने या उसमें बचने में सृष्टि के लिए और या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्टि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः-

1. सर्वे श्री इन्दर सैन बेरी, नूकन सैन बेरी, बाल किशन बेरी, यथा किशन बेरी, कुलदीप राज बेरी, सहदेव राज बेरी, बनारसी नाथ बेरी पुत्र गुरुदास बेरी, कुमारी लीला देवी पुत्री गुरुदास बेरी, ज्योति देवी पत्नी धर्म पाल मनहोत्रा श्रीमति शकुन्तला देवी पत्नी मदन लाल मनहोत्रा वासी 136 एन० व आर०, माडल टाऊन लुधियाना द्वारा श्री इन्दर सैन बेरी, नजरन अग्रणी 136-माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री लगे सिंह पुत्र जगोरा सिंह, दर्शन सिंह पुत्र संतोख सिंह आसी 414, इन्डस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना। (अन्तरिती

4. सर्वे श्री प्रमथा नाथ बेरी, विद्या रत्न बेरी व मुभाष चन्द बेरी वासी 136 एन० व आर०, माडल टाऊन लुधियाना। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अवोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

राजिस्टरिंग :- इस प्रयुक्त अर्थों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 136 एन० व आर० का 10/13 भाग जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदार जैनांक रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के दिनेश संख्या 3632, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 17 अगस्त 1979

माहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अगस्त 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/181/78-79— अतः मुझे
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4 मरवे
है तथा जो गांव सनील, तहसील पटियाला में स्थित है (यांग
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बाधित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति का बाधा उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अश्वनी कुमार सिंह मरिया पुत्र श्री स्वा०
रघूनाथ सिंह मरिया वासी राधोमाजरा, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमति गुरमीत कौर पत्नी श्री मुख्तार सिंह गिल,
अडीशनल डिस्ट्रीक्ट व मैजिस्ट्रेट जज, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

इस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाशंगः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4 मरवे है और जो
गांव सनील, तहसील, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 4387 दिसम्बर, 1978 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 अगस्त 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जुलाई 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/23112/79-80—यतः

मुख्य पी० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 277/27/27-01, है, तथा जो अशोका पिलर रोड, 2nd बलाक जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित (और इस से उपावृद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० श्री एच० जि० विजयराघवन रेड्डी, पुत्र श्री एच० आर० गुरु रेड्डी, "स्पृष्टि" 119, कनिग्याय रोड, बंगलूर (अन्तरक)

2. श्रीमती पदमावति, एच० आर०, पत्नी श्री एस० एन० रामचन्द्र, नं० 59, रामयंगार रोड, वि० वि० पुरम बंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इंस्टाबेज सं० 2801/78-79 ता० 25-12-78)

नार्थ ईस्टर्न पोर्शन ऑफ दि साइट नं० 277/27), प्रेजेंट नं० 277/27-01, अशोका पिलर रोड, बंगलूर, जयनगर, बंगलूर-11

चकबंदी

पू० : अशोका पिलर रोड,

प० : नार्थ ईस्टर्न पोर्शन ऑफ साइट (पुराना नं० 277/27)

और नया नं० 277/27/02, बिलांगिंग टू श्री एच० जि० मुन्दरम रेड्डी,

उ० : प्रापटी बिलांगिंग टू श्रीमती कल्याणम्मा बेरिंग नं० 276 और

द० : मदरन ईस्टर्न पोर्शन ऑफ साइट बेरिंग नं० 277/27 और नया नं० 277/27/0 बिलांगिंग टू श्री एच० आर० गुरु रेड्डी।

पी० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख 4-7-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1979

निर्देश सं० सी० आर० 72/23109/79-80/ACQ/(E)

—यतः मुझे, पि० रंगनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाली जगह का नं० 494, है, तथा जो 39 वां क्रॉस VIII, ब्लॉक, जयनगर बंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 20-12-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिशेष को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1 श्री पि० ए० तंदकुमार, पुत्र पत्नी आदिनारंगपदा, (2) पि० एन० प्रवीण (Vijay), rep. by his father as natural guardian श्री पि० ए० तंदकुमार, Both residing at नं० 252, मिन्ड स्कूल रोड, बंगलूर 560004, (अन्तरक)

2. (1) श्री पी० बि० पार्थी, पुत्र पत्नी भास्कराया, (2) पि० पि० अशोक (3) पि० पी० अरुण वच्चे ऑफ श्री पि० बी० पार्थी, Sl. No. (3) [Minor] rep. by his father as natural guardian श्री पि० बि० पार्थी all residing at No. 428, राष्ट्रीय विद्यालय रोड, बिल्डिंग पुर, बंगलूर 1

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2754/78-79 ता०

20-12-78)

खाली जगह का नं० 494, 39वां क्रॉस, VIII ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर-11

चक्रवर्ती :

पू० : खाली जगह का नं० 493,

पू० : खाली जगह का नं० 495,

ब० : खाली जगह का नं० 494 और

रू० : रोड

पि० रंगनाथन

सश्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 10-7-79

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन जेंज

बंगलूर, दिनांक 11 नवम्बर 1979

निर्देश सं० सी० आर० 72/22831/79-80/ए०सी०
क्यू० (बी)---रा० मूर्ते पी० रंगानाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें हमने परवाना 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 224 विनमंगला है, तथा जो II
स्टेज, इंदिरानगर, बंगलूर में स्थित है (और उसके उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधि-
कारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रार अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ना०
27-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित हो गई है और भूजे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पट्टा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की बचत उक्त प्राध-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप को देना या या अन्य व्यक्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:--

1. श्री के० एल० कृष्णस्वामी पुत्र के० के० नारायणराव,
नं० 224, विनमंगला II स्टेज, इंदिरानगर, बंगलूर-38।

(अन्तरक)

2. श्रीमती फातिमा पत्नी श्री अब्दुल रहमान नं० 94
माथिपेट, चिन्तामणि, कोलर जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्तासरी
के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2777/78-79 ना० 27-12-78)

विन्डिंग नं० 224, विनमंगला 2nd स्टेज, इंदिरानगर,
बंगलूर,

संबंधी:

पु०: खाली जगह का नं० 215,

उ०: " " " " 223

द०: " " " " 225

प०: रोड़।

पी० रंगानाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन जेंज, बंगलूर

तारीख: 11-7-1979

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० सी० आर० 72/22806/79-80/ए०सी०क्यू०/

बी०—यतः मुझे पि० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाली जगह फा नं० 140 है, तथा जो बिस्म-मंगला ले-औट, इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजिनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 19-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच गैर अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपमे बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:-

1. मेजर के० जे० थामस (रिटायर्ड) बी०-20, स्पार्टन एनक्लेव, इक्कन कॉलेज, रोड, पुना-411007 (अन्तरक)

2. श्रीमति पद्मे वसंदादेवि यावकृष्ण पिल्लै, नं० 28, जवन-बलन दमनवारा डैरम, कौलालपुर, मलेशिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाप्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2607/78-79 ता० 19-12-1978]

खाली जगह फा नं० 140, बिस्ममंगला ले-औट, नौ काजल डिफेंस कालोनी, इंदिरानगर, बेंगलूर-38।

च हबंदी :

पू० : खाली जगह फा नं० 139,

प० : खाली जगह फा नं० 141

उ० : खाली जगह फा नं० 115 और

द० : 30 रोड,

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रथम आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जुलाई 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/23084/79-80/ए०सी०क्यू०
(बी०)—यतः मुझे पी० रंगनाथन,
आयकर अधिकारी, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 17/2, चर्च रोड है, तथा जो बसवनगुडि
बंगलूर हाकूमेट नं० 33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बसवनगुडि, बंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 27-12-1978

को पूर्वोक्त समित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिकलन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकलन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकलन
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
संयोजित किया गया प्रतिकलन, नमूनेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया गया या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
9-246G1/79

1. श्रीमती सुरिया ज्वीन, पुत्री श्री अब्दुल खुदुस खलील,
नं० 12, उमर गरीफ रोड, बसवनगुडि, बंगलूर-4 (अन्तरक)

2. श्रीमती इकबालुन्निसा, पत्नी, श्री अब्दुल खलील, मुसलिम
ब्लाक कलनकपुरा, बंगलूर (अन्तरता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी प्राश्नः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघाटनाक्षरा के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें सूचना गवर्ना और पदा का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3085/78-79 ता० 27-12-1978)
नं० 17/12, चर्चरोड, बसवनगुडि, बंगलूर हाकूमेट नं० 33)
चकबंदी:

पूर्व : चर्च रोड

प० : प्राइवेट प्रापर्टी,

उ० : श्री अब्दुल खुदुस प्रापर्टी और

द० : कॉमल घासेज

पी० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 19-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 जुलाई 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/23300/79-80/Acq/B—यतः
 मुक्त पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 389/44, है, तथा जो 19 मेन रोड
 ब्लॉक राजाजीनगर, बंगलूर 560010, में स्थित है (और
 इसने उचित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर बंगलूर दस्तावेज
 सं० 4203/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन ता० 24-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

धन: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 9-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री आर० पलनिस्वामी सं० 66, 2nd क्रॉस हचिन्स रोड
 राकस्टनपण बंगलूर (अन्तरक)

2. श्री एन चकरापाती श्रीमती सि० सारोजा पत्नी एन०
 चकरापाती सं० 389/144, 19 मेन रोड ब्लॉक राजा-
 जीनगर बंगलूर-10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4203 ता० 24-1-79)
 घर सम्पत्ति सं० 389/44 19 मेन रोड
 ब्लॉक राजाजीनगर बंगलूर 560010

पी० रंगानाथन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख : 23-7-79
 मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री डि० वेंकटानरमायजू मद्रास (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० अण्णासाय विजयवाड़ा (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 8 जून 1979

सं० 890—प्रतः मुझे बि० वि० मुन्बाराय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 23-17-12 सी है, जो विजयवाड़ा
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत
15-12-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5439/78 में निगमित
अनुसूची सम्पत्ती।

बि० वि० मुन्बाराय,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 8-10-1979

मोहर :

प्रारूप गार्डि० सी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

काकीनाडा दिनांक 8 जून 1979

सं० 891—यतः मुझे वि० वि० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें संशोधन के साथ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसे सं० 113 है, जो तेनाली में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-78

को पूर्णतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें पारसथ प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री टि० वेंकटासिवालयम् पति टि० वेंकटानाग सूर्य-रायण (3) टि० वेंकटा नागप्रसाद, तेनाली। (अन्तरक)

(2) सि० एच० रंगय्या तेनाली (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोद्घस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेनाली रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 31-12-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3036/में निगमित अनुसूची संपत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 8 जून 1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मिलापचंद जैन, मनोरमा होटल के पास, बांदेर रोड, विशाखापटनम (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज

काकीनाडा, दिनांक 2 जलाई 1979

सं० 892, दिनांक यतः मुझे बि० वि० मुन्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिकी सं० है, जो विशाखापटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों:—

(2) श्री दयालाल पटेल अनकापल्ली, विशाखापटनम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अनुसूची अंत 15-12-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 7709/78 में नियमित अनुसूची संपत्ती।

बि० वि० मुन्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज काकीनाडा

तारीख : 2-7-1979

मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 2 जुलाई 1979

सं० 894—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः:—

(1) (i) श्री बललूरि घनलक्ष्मी, श्री वेंकट सुब्बाराव की पुत्री, (ii) सामाज्यम, रक्षाकर्त्ता वेंकट सुब्बाराव (iii) बि० वेंकट सुब्बाराव, पिता: बसवय्या ज्योति तियेटर, पटमट लंका, विजयवाडा (अन्तरक)

(2) श्री गंडपु श्रीहरि राव, पिता मानिक्याल राव, चिरंजीवि गंगाधर राव, रक्षाकर्त्ता मानिक्याल राव, कपसावारि वीदि, गवर्मरमेट, विजयवाडा (अन्तरिती)

(3) (i) मेसर्स वेंकट कनक दुर्गा आटोमोबैल्स, (ii) मेसर्स सायबाबा इंजीनियरिंग वर्क्स, (iii) श्रीलक्ष्मी टनिंग वर्क्स (iv) श्री श्रीनिवास डोसेल वर्क्स (v) कुमार इंजीनियरिंग वर्क्स (vi) दि इन्स्टिट्यूट आफ वेंकर्स (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-12-78 पंजीकृत दस्तावेज नं० 5334/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज काकीनाडा

तारीख: 2-7-79

मोहर:

प्रकृष आई० डी० ए० एस० -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 6 जुलाई 1979

सं० 893—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 12/38 है, जो ऐलूस रोड, गुडिवाडा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मछिलीपटनम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का
16) के अधीन 1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण न हुई किया पाय की बात, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को,
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुन्ता नागेस्वर राव, गुडिवाडा

(i) श्रीमती मुन्ना काशी अन्नपूर्णममा, गुडिवाडा
(भन्तरक)

(2) श्रीमती डाक्टर ए० शारदा, शारदा नर्सिंग होम
चीराला

(ii) श्रीमती यम० पुष्पा बालकृष्ण रोड नंबर 2,
प्लाट नम्बर 58 मारेडपल्ली, सेंकदरबाद-26 (भन्तरिती)

(3)(i) बोप्पना लक्ष्मी सस्वती देवी, बेल्लारी (ii)
बि० बि० वि० ब्रह्मेस्वर राव, (iii) बि० देवेंद्र
प्रसाद (iv) बि० राधाकृष्णमूर्ति (v) मांगडि लक्ष्मी
(vi) पर्वतनेनि रंग राव (vii) पर्वतनेनि ब्रह्मया गोरी शंकर
टाकीस के भागस्त्रियों गुडिवाडा (व्यक्ति जिसके बारे में
अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के पञ्चम्व में कोई भी धात्रेणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के ध्याय 20-क में यथा परिभाषित है;
बढ़ी धर्मे होगा जो उस ध्याय में दिया गया है।

प्रत्यूना

मछिलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत
15-12-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4279 में निगमित
अनुसूची संपत्ति।

बि० बी० सुब्बाराव,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 6-7-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 6 जुलाई 1979

सं० 895—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव,
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० 7843 है, जो मंगलगिरि में स्थित है
 (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलगिरि में
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
 ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 ब्रम्बर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
 सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

- (1) मैसर्स वेंकान फुड प्राइवेट लिमिटेड
 मंगलगिरि, गुटूर जिला (अन्तरक)
- (2) मैसर्स स्पेन्सर एण्ड कंपनी लिमिटेड, रजिस्टर्ड
 आफिस 769, अन्ना सलाय पोस्ट बाक्स नं० 301 मद्रास-2
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तदवन्मधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मचिलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत
 31-12-78 पंजीकृत दस्तावेज नं० में निगमित अनुसूची
 संपत्ती।

बि० वि० सुब्बाराव
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-7-79
 मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं० 899—यन: मुझे वि० वि० मुख्ताराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० 32-29-5 है, जो ऐलुगुगुड, विजयवाडा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुवर्णन लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धा या अन्य वास्तुयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री कोल्लिपरा रामकुण्ण पिता : मदनानागयण, 14-13-12 हनुमानपेट विजयवाडा (अन्तरक)

(2) श्रीमती चिनपल्लि लीला, पति : डाक्टर सिद्धुज, मुधाकर राव, रामचंद्रागव रोड, सूर्यरावपेट विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा स्थावर की बात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वशों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, या उस अध्याय में देया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पक्षिक अंत 31-12-78 में पंजीकृत नं० 5480/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

वि० वि मुख्ताराव
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 10-7-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं० 900—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० 27-1-24 है, जो ऐलुरु रोड विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, (I) अर्थात् :—

(1) श्री चलसानि सीतारामम्मा पिता : शेषगिरि राव, शेषगिरि निलयम पीसुपाटिवारी गल्ली, मूर्या राव पेट, विजयवाडा-2, (अन्तरक)

(2) श्री (ii) सोमयाजुला वेंकटा शेषगिरि राव, पिता : वेंकटा सुब्रह्मन्यम अविशेषय्या गल्ली एस० एन० पुरम, विजयवाडा,

(ii) सोमयाजुला लक्ष्मीनरसिमहा मूर्ति, पिता : वेंकटा सुब्रह्मन्यम अविशेषय्या गल्ली सत्यनारायण पुरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षक अंत 15-12-1978 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5565 और 5566/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 10-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं० 898—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 11-35.6/3 है, जो कोटमराजुवारी गल्ली
विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वार्षिक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री काजा आजनेयुलु पिता : श्रीरामुलु (i)
काजा श्रीराम मूर्ति (iii) काजा बालकृष्णराव (iv) काजा
राम्मोहन राव (कपड़ों का व्यापारी) 184-बी वस्त्रलता,
विजयवाड़ा-1 (अन्तरिक)

(2) श्री रमेशचन्द्र दयालाल और मनुभाथ दयालालपा,
11-35-6/3 कोटमराजुवारी गल्ली विजयवाड़ा-1 (अन्तरिती)

(3) मेसर्स या ईश्वरलाल बडिलाल विजयवाड़ा
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पक्षिक अंत 31-12-
1978 में पंजीकृत नं० 5965/78 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 10-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जलाई 1979

निर्देश सं० आई० एन० सी० एम्सी भोपाल 79-80/
1301—अतः मुझे बी० एल० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है,
और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो बालाघाट में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बालाघाट
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 14-12-1978
का प्रमाण प्रतीति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रमाण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी मात्र को बाधित उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा
करण या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी खर्च या अन्य प्राप्ति या
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रमाणनाय अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:—

1. श्रीमती लीलावती बाई विधवा पत्नी श्री सूरज
प्रसाद तिवारी, 3 मई, नई बारासिक्की जिला बालाघाट
(अन्तरक)

2. श्रीमती हंसा गौरी पत्नी श्री मंगनलाल वेगड़
उमरेड जिला नागपुर (महाराष्ट्र) (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में को० की धारणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्समर्था अवधि पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि
बाद में प्रमाण्य होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रमाण्यमानों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 64, का भाग: वार्ड नं० 11, स्थित खसरा
नं० 372 ए० व 372/2 ए बालाघाट।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 23-7-1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एन० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्वी/भोपाल 79-80/1302—अतः मुझे बी० एल० राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो बालाघाट में स्थित है (और इससे उपाचय अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बालाघाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित श्राव्य मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिस्त में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाई में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अतुज तिवारी पुत्र मूरज प्रसाद तिवारी, 3 मई तह वार्गमवनी जिला बालाघाट (अन्तरक)

2. श्रीमती हंसा गौरी पत्नी श्री मंगल लाल बंगड़, उमरेद, जिला नागपुर (महाराष्ट्र) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 64 का भाग, आई नं० 11, प्लॉट बियारिंग खमरा नं० 372/1नए० व 372/2 ए पर स्थित, पी० एच० नं० 13/2, बालाघाट।

बी० एल० राव
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 23-7-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1979

निदेश सं० आई ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79-80/1303—अतः मुझे बी० एल० राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सकान है, तथा जो सतना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सतना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-1-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) ठाकुर दास पुत्र श्री ईधन दास व (2) श्री शान्तु लाल पुत्र सेवाराज, रघुराज नगर, सतना । (अन्तरक)

2. (1) उधाराम पुत्र श्री आलम चन्द्र (2) श्रीमति गोपी बाई पति श्री कामनदास व (3) श्रीमति रुकमणि बाई पति श्री ईश्वरदास, रघुराज नगर, सतना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सकान नं० 180/1247, वार्ड नं० 15, नया नं० 151, वार्ड नं० 17 विक्टोरिया खतरा नं० 458/10, बीसा—खाना वार्ड, तह० रघुराज नगर, जिला सतना ।

बी० एल० राव;
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज भोपाल,

दिनांक : 23-7-1979

मोहर :

प्रकृप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए० वी०/भोपाल 79-80/
1304-अतः मुझे बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मकान (भाग) है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटितः—

1. श्री नजीरुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल्ला, रेडियो का व्यापारी
भूमि स्वामी, ब्रुधायरा, रायपुर। (अन्तरक)

2. (1) श्री बदरुद्दीन पुत्र हबीब बेलजी (2) श्री
फतेह अली पुत्र श्री हबीब बेलजी द्वारा गोवावाला फुटबियर ग्राप,
जयराम टाकीज के पास शारदा चौक, रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
नियम एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग सम्पत्ति स्थित नजूल ब्लाक नं० 77, प्लॉट नं०
2/26, पुरानी पुलिस लाईन, जी० ई० 215, 'जयराम टाकीज'
के पास, रायपुर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज भोपाल,

दिनांक : 23-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/
1305—अनः मुझे के० के० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० गिनेमाहाउस है, तथा जो बुरहानपुर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विधि में वापसित करा में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. (1) श्रीमति पुष्पा बाई पत्ति श्री गनपतराव
भुगटे (2) श्री विजय कुमार (3) श्री अविनाश पुत्र श्री
गनपत राव भुगटे 1111, बुधवार पेठ पूना (अन्तरक)

2. श्रीमति पुष्पा बाई पंडित श्री गोविन्द दास बन्नाट-
वाला, प्रतापपुर, बुरहानपुर द्वारा "बनाट वाला फैमिली
ट्रस्ट," बाम्बे । (अन्तरिती)

3. (1) श्री अनन्त जारायण गदरे (2) श्री आनन्द
गोपाल दाम नागर (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति "शंकर चित्र मन्दिर" से प्रसिद्ध ब्लाक नं० 51,
प्लॉट नं० 138/1, 137/2 व 138/2, बार्ड नं० 1,
महाजन पेठ, बुरहानपुर ।

के० के० राय,
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल ।

दिनांक 27-7-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई, 1979

निवेश सं० आई० ऐं० सी० /एक्सी०/भोपाल 79-80/1306—अतः मुझे के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए व्यपया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11-246GI/79

1. श्री इन्दू प्रकाश जी पुत्र श्री कन्हैया लाल जी कानून-गो, भोपाल। (अन्तरक)

2. श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री कन्हैया लाल जी गुप्ता हरदा (म० प्र०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1, स्थित साउथ तुकोगंज, स्ट्रीट नं० 3, सब डिवीजन नं० 11/1, इन्दौर।

के० के० राय,
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 27-7-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 27 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79—80/
1307—अतः मुझे के० के राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
12-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देव के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री मधुसूदन पुत्र श्री कन्हैया लाल जी कानूनगो, भोपाल
(अन्तरक)

2. श्री गुलाम चन्द पुत्र श्री कन्हैया लाल जी गुप्ता, हरदा
(अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 11, स्थित साउथ तुकोगंज, स्ट्रीट नं० 3,
सब डिवीजन नं० 11/2 साथ भूमि क्षेत्रफल 4542.25 वर्ग-
फुट, इन्दौर ।

के० के० राय,
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 27- -1

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79-80/1308—अतः मुझे के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भकान है, तथा जो इन्दौर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्येक वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री आसनवास पिता श्री नथरमल प्रसन्नी 61, जयराम पुर कालोनी, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्रीमति सावित्री बाई पत्नी श्री कोडमल जी, 94, नन्द लाल पुरा (सब्जी मन्डी) इन्दौर। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भकान नं० 2, रकबा 1350, वर्गफुट स्थित जयराम-पुर, कालोनी, इन्दौर।

के० के० राय
सक्षम प्राधिकारी,
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक 21-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल]

भोपाल, दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ऐं० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/
1309—अतः मुझे के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के
अधीन [16-12-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे
व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
रूप में उस अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिल कुमार पुत्र श्री कृष्णा राव गावडे निवासी
11/5, साउथ टुकोगंज, इन्दौर (अन्तरक)

2. कुमारी विमला पुत्री श्री प्रेम शंकर पाण्डे निवासी
28, छोटा सराफा, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 127 का भाग स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

के० के० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जुन रेंज भोपाल,

दिनांक 31-7-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31-7-1979

निदेश सं० आई० ऐ०सी०/एक्सी०/भोपाल 79—80/13010—अतः मुझे के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री रवीन्द्र कुमार रिषी पुत्र श्री जगदीश चन्द्र रिषी द्वारा पिता ऐटर्नी श्री जगदीश चन्द्र रिषी पुत्र गणेशदास निवासी ऐ-54, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. रिषी इकानामिक्स ऐंड हाउसिंग (प्रा०) लि०, 35-36, नेहरू पैलेस, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर श्री जे० सी० रिषी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ऐ-8 का नार्थन पोरशन क्षेत्रफल 5000 वर्गफुट स्थित विधा-बिहार, बानगंगा, भोपाल।

के० के० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक 31-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79—80/

1311—अतः मुझे के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-12-1979 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के सम्बन्ध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, विधानों में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति चन्द्रा बाई पत्नी श्री नानक राम पलेट नं० 1, छटवां फ्लोर, अजन्ता एपार्टमेन्ट्स, सुसुन डाक के पास, कोलाबा, बाम्बे (2) श्रीमति शान्ती बाई पत्नी श्री धन-श्याम दास 3-ए, आदर्श नगर, इन्दौर (अन्तरक) ।

2. (1) श्री श्यामलाल पुत्र श्री झंगलमाल (2) श्री कीमतमल पुत्र श्री हजारी मल (3) श्री हुकुम चन्द पुत्र श्री कीमत लाल (4) श्रीमति मैना बाई पत्नी श्री झंगलमल सभी निवासी 141 बैराडी कालोनी, नं० 2, इन्दौर । (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अ.पा.क में दिया गया है ।

अनुसूची

भूकान नं० 3-ए, आदर्श नगर (मानिकबाग रोड) इन्दौर ।

के० के० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल,

दिनांक 31-7-1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
296-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल 79—80/
1312—अतः मुझे कृ० का० राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान व प्लॉट, है, तथा जो रीवा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रीवा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (198 का 16) के अधीन,
दिनांक 13-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दूह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत्:—

1. श्री स्वामी वेवकीनन्दन तिवारी पुत्र स्वामी रामसेवक
तिवारी, चीफ कन्सलर वेटर आफ फारेस्ट, भोपाल ।
(अन्तरक)

2. (1) श्री बलराम दास गुप्ता (2) श्री गिरधारी लाल
गुप्ता (3) श्री भगवान दास गुप्ता सभी पुत्र श्री सरजू प्रसाद गुप्ता
निवासी गोविन्द गड़ तह-हुजूर जिला रीवा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताधारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान बियरिंग नं० 678/5, तथा प्लॉट
नं० 68 व 70 बियरिंग खसरा नं० 323 व 324 ग्राम
कुटेही सिविल लाइन, रीवा ।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31-7-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/1313---यतः मुझे कृ० का० राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्री शिशिर कुमार (2) श्री शरद कुमार दोनों पुत्र स्व० श्री शरद चन्द्र दुबे, निवासी 2 दुबे कालोनी, इन्दौर । (अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री हनुमन्त राव भुसारी 96, सिलावट पुरा, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 1 का पूर्वी भाग स्थित दुबे कालोनी, इन्दौर ।

कृ० का राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-8-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79—80/

1314—अतः मुझे, कु० का० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12—246GI/79

1. दी सेन्दूल इन्डिया इन्जीनियरिंग कारपोरेशन द्वारा पार्टनर्स हाजी मुल्लामोहसिन हुसैन पुत्र शेख शाकिर हुसैन व मुल्ला अमगर हुसैन पुत्र मोहसिन हुसैन निवासी बेलवार-पुर, भोपाल (अन्तरक)

2. श्री आनन्दी लाल मिश्री लाल साहू पुनिस चौकी, बरखेड़ी, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही जहाँ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीर्ण-शीर्ण मकान कालटेक्स पेट्रोल पम्प के पास रकबा 4200 वर्गफुट, हमीदिया रोड, भोपाल।

कु० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 7-8-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन श्रेष्ठ, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अगस्त 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवा०/भोपाल 79--80/
1315--अतः सुझे कुं० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिधारा के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभावित :--

1. श्रीमति विमला देवा पति पं० बाला प्रसाद शर्मा,
चौक भोपाल । (अन्तरक)

2. श्रीमति विमला रानो पति श्री विजय कुमार सोनी,
इम्राहीम पुरा, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवाई गई हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तादारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान नं० 16 रकबा 1276 बर्गफुट स्थित गली नूर जी बौहरा चौक, लखेरापुरा, भोपाल ।

कु० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 9-8-1979
मोहर :

अरूप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनओ/भोपाल 79-80/1316—

अतः मुझे कृ० का० राय,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन, 8-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पद्मा लाल पुत्र श्री बोधलाल जाँ भंडारा 9 नगरचौ बाखल, इन्दौर । (अन्तरक) ।

2. श्रीमति संता बाई पति श्री रामस्वरूप जाँ सोनी 74/1 नील कंठ बालीना (वर्तमान 9 नगरचौ बाखल) इन्दौर । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्य भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अल्पम्यम्मा व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थानों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तीन मंजिला पक्का मकान नं० 9 रकबा 770 वर्गफुट स्थित नगरचौ बाखल, इन्दौर ।

कृ० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 9-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79-80/
1317—प्रतः मुझे कु० का राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 13-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से
कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री गिशिर कुमार दूबे, (2) श्री शरद
कुमार दूबे पुत्र स्व० श्री शरदचन्द्र दूबे 2, दूबे कालोनी,
इन्दौर । (अन्तरक)

2. श्री रवीन्द्र कुमार भूसारी, पुत्र श्री हनुमन्तराव
भूसारी, 96, सिलावट पुरा, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 1 का वेस्टर्न पोरशन साथ भूमि माप
4378.75 वर्गफुट स्थित दूबे कालोनी, इन्दौर ।

कु० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-8-1979
मोहर :

आरूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79--80/
1318—अतः मुझे कृ० का० राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो अकलतरा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जांजगीर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
28-12-1978 की

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) का भीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष्ठ
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
का जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोदशार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, लिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1),
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चन्नीलाल शर्मा पुत्र कैदारनाथ शर्मा अकलतरा
तह० जांजगीर जिला—बिलास पुर (अन्तरक)

2. श्री बी० ऐल० काकरेजा द्वारा पावर आफ ऐटार्नी
फार रेमंड सीमेंट वर्क्स, जे० के० बिल्डिंग, बाम्बे ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि मौजा गोदाडीह पी० ऐच० नं० 5 ग्राम-
सोसारी ब्लॉक अकलतरा तह० जांजगीर जिला—बिलासपुर
(19.83 एकड़) ।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, भोपाल

दिनांक: 13-8-1979
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ऐं० सी०/एक्वी०/भोपाल 79—80/1318—अन: मुझे कु० का० राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गुरुचरण सिंह बजला पुत्र श्री हरजसराय चावला, फतेहगढ़, भोपाल। (अन्तरक)

2. श्रीमति भोजी बाई विश्रवा पत्नी श्री लेखराजमल 50बी, ईदगाह हिल्स, भोपाल। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पृष्ठ नं० 2 पर स्थित मेजेनाइन व फर्स्ट फ्लोर रकबा 958 वर्गफुट स्थित रायल मार्केट, भोपाल।

कु० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 13-8-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकरो०/भोपाल 79—80/
1320—अतः मुझे क० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट है, तथा जो भोपाल में स्थित है
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में राजस्त्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
27-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वारत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मुबारक अली उर्फ भावू शाह पुत्र अनवर
अलीशाह (2) श्रीमति अरीफन बी विधवा पत्नि अनवर
शाह, गुरुबख्श नलैया मंगलबारा भोपाल ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह (2) श्री
नाल सिंह (3) श्री गुरेन्द्र सिंह और (4) श्री योगेन्द्र सिंह पुत्र हर-
नाम सिंह, 9, ईदगाह हिन्स, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खगारा नं० 1234 रकबा 10350 वर्ग फुट प्लॉट साथ
कवेलपोश छोटा मकान स्थित नया शाह का बाड़ा, गुरुबख्श
नलैया, भोपाल ।

क० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-8-1979

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एर्णाकुलम

एर्णाकुलम, दिनांक 4 अगस्त 1979

निदेश सं० एल० सी० 312/79-80—अन: मुझे के०
नारायणा मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रतीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एर्णाकुलम विल्लेज
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
एर्णाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 22-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्राप्ति को,
जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नीलकण्ठ (अन्तरक)

2. जोसफ मैकिगल एण्ड अदर्स (जोसफ माट्यू के द्वारा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/16th right over 58.5 cents of land and building as per
scheduled attached to document No. 3877/78.

के० नारायण मेनोन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एर्णाकुलम

तारीख : 4-8-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 4 अगस्त 1979

निर्देश सं० एन० सी० 313/79-80-अतः मुझे
के० नारायणा मेनोन.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिम्मेदारी में अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम
विल्लेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 27-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्तविक उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-246GI/79

1. श्रीमति नलिनि ग्राम्मा (2) अतिता (नलिनि ग्राम्मा
के द्वारा) (अन्तरक)

2. मैमर्स जॉयफ मैक्किल एण्ड ब्रदर्स (जॉयफ मात्यु के
द्वारा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीष्टताओं के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/16th right over 58.5 cents of land and buildings as per
schedule attached to document No. 3924/78 dt. 31-1-1979.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम अधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 4-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-16 दिनांक 4 अगस्त, 1979

निदेश सं० एल० सी० 315/79-80—अतः मुझे के०
नारायण मेनोन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्तपुरम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय चाला में
भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 13-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति ए० जी० कावेरि अम्मा (अन्तरक)

2. श्री दानियल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

42.5 cents of land in Sy. No. 4 of Changazhassory Village.

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक 4-8-1979
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16 दिनांक 4 अगस्त 1979

निदेश सं० एल० सी० 314/79--80--प्रतः मुझे
के० नारायण मेनोनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मुहतरा में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुवनन्तपुरम में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 4-12-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चग प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति तत्कमणी (अन्तरक)

2. श्री ए० एम० सुलतान पिल्लै (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1 acre 69 Cents of land in Sq. Nos. 472, 473 of
Muttathara village.

के० नारायण मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

दिनांक 4 अगस्त, 1979

मोहर:

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 28 जून 1979

निवेदन सं० 111-1331/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृ होलीय संख्या 183, सर्किल संख्या 27 है, तथा जो वार्ड संख्या 16 (नया) 9 (पुराना) एम० एस० प्लॉट संख्या 1431 और 1432 पटना म्यूनिसिपल कारपोरेशन ऐनी बेसेन्ट रोड पटना में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-12-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री अरूण चन्द्र मित्रा (2) तरूण चन्द्र मित्रा (3) अरूण चन्द्र मित्रा (4) निरूप चन्द्र मित्रा सभी पुत्र श्री सरत चन्द्र मित्रा निवासी "गोविन्द निवास" गोविन्द मित्रा रोड पीरबहार पटना (नम्बर 3 का निवास स्थान 11/ए ओलू डैयरी कालोनी गोरखपुर यू० पी० और नम्बर 4 का निवास स्थान 5/2/ए हम डी० लेन कलकत्ता-50) (अन्तरक)

2. श्री त्रिवेदी अम्नेस उर्फ कुमार त्रिवेदी ऐनी बेसेन्ट रोड पटना-4 (अन्तरिती)

3. स्वयं (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथादस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिका रकबा कट्टा साढ़े ससह धूर अर्थात् 2546 वर्गफीट मकान सहित जो होल्डिंग नम्बर 183 सर्किल नम्बर 27 वार्ड नम्बर 16 (नया) 9 (पुराना) एम० एस० प्लॉट नम्बर 1431 और 1432 पटना म्यूनिसिपल कारपोरेशन का जो ऐनी बेसेन्ट रोड पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 7621 दिनांक 19-12-78 में वर्णित है और जो जि ना अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है ।

ज्योतीन्द्र नाथ
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, पटना

दिनांक : 28-6-1979

मोहर :

प्रारूप धार्मिक डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 28 जून 1979

निर्देश सं० 111-332/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या होलिडिंग नम्बर 183, सर्किल नं० 27 है, तथा जो वार्ड नम्बर 16 (नया) 9 (पुराना) एम० एस० प्लॉट नम्बर 1431 और 1432 पटना म्यूनिसिपल कारपोरेशन ऐनी बेसेन्ट रोड पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णात् :—

(1) श्री अरुण चन्द्र मित्रा, (2) तरुण चन्द्र मित्रा (3) अरुण चन्द्र मित्रा (4) निरुप चन्द्र मित्रा सभी पुत्र स्वर्गीय श्रीरसरत्न चन्द्र मित्रा निवासी "गोविन्द निवास" गोविन्द मित्रा रोड थाना पीर बहौर पटना (नम्बर 3 का निवास स्थान 11/एम ओल्ड डैयरी कालोनी गोरखपुर यू पी० और नम्बर 4 का निवास स्थान 5/2/ एहेमडी लेन कलकत्ता-50। (अन्तरक)

2. अशोक कुमार त्रिवेदी पुत्र स्वर्गीय त्रिवेदी परमानन्द ऐनी बेसेन्ट रोड, पटना-4। (अन्तरिती)

3. स्वयं (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

और यह सूचना जारी करके स्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका रकबा 2550 वर्ग फीट सकान महिन जो होलिडिंग नम्बर 1.83 सर्किल नम्बर 27 वार्ड नम्बर 16 (नया) 9 (पुराना) एम० एस० प्लॉट नम्बर 1431 और 1432, पटना म्यूनिसिपल कारपोरेशन का जो ऐनी बेसेन्ट रोड पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 7650 दिनांक 20-12-1978 में वर्णित है और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन क्षेत्र, पटना

दिनांक : 28-6-1979
मोहर :

प्रकरण छह। टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 23 जुलाई 1979

निवेश सं० III-335/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 722 बी, हो० नं० 213 बी तथा जो एकजीविशन रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अंकित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उद्देश्य :—

1. श्रीमति मृदुला चन्द्र जोष श्री निर्मल चन्द्र बाकर
गंज, पटना (अन्तरक)

2. श्रीमति ललिता देवी जोष श्री एल० शर्मा, महल्ला
सुल्तानपुर थाना दानापुर, जिला पटना (अन्तरिती)

2. मैसर्स शर्मा प्रदर्श, पटना (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोद्घातकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1380 वर्गफीट जमीन मय दुकान जो एकजीविशन रोड पटना में स्थित है और जिसका प्लॉट नं० 722 बी, हो० नं० 213बी सर्किल नं० 9 वार्ड नं० 2 पटना मु० कारपोरेशन है तथा जो जिला अवर निबन्धक पटना द्वारा निबन्धित दस्तावेज सं० 408 दिनांक 23-1-1979 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, पटना

दिनांक : 23-7-1979
मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd September 1979

No. F. 6/79-SCA(I).—The following Officers of the Supreme Court of India have retired from the service of the Registry with effect from the date shown against each :

Sl. No., Name & Designation & Date of Retirement

1. Shri M. P. Saxena, Registrar—30th April 1979 (AN).
2. Shri M. J. Rajput, Section Officer—31st August 1979 (AN).

MAHESH PRASAD
Dy. Registrar (Admn.).

New Delhi, the 3rd September 1979

No. F. 6/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri Darshan Singh, Assistant as Officiating Section Officer, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of 1st September, 1979, until further orders.

B. M. CHANDWANI
Assistant Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 18th August 1979

No. A-32013/3/79-Admn.I.—The President has been pleased to appoint Shri M. R. Bhagwat a permanent Grade I Officer of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis for a period of two months with effect from 11th July 1979 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPTT. OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th August 1979

No. P-23/65-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri P. V. Ramakrishna, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation on promotion as Deputy Legal Adviser in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on ad hoc basis with effect from the forenoon of 31st July 1979 and until further orders.

He relinquished charge of the office of the Senior Public Prosecutor, C.B.I., Hyderabad on the afternoon of 24th July 1979.

The 30th August 1979

No. A-19014/1/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri Q. L. Grover, a permanent Grade 'A' Officer of CSSS of Ministry of the Home Affairs to officiate as Administrative Officer in the Central Bureau of Investigation on ad hoc basis with effect from the forenoon of 1st August, 1979.

S. K. JHA
Dy. Director (Admn.)
Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 29th August 1979

No. A-19021/3/75-AD.V.—Shri S. C. Tripathi, IPS (1963-M.P.) relinquished charge of the Office of Supdt. of Police, C.B.I., S.P.E. on the afternoon of 20th July, 1979. His services were placed back at the disposal of State Government.

No. A-19021/2/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri N. R. Deo, IPS (MP : 1965) as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, with effect from the afternoon of 20th July, 1979 until further orders.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 1st September 1979

No. O. II-1045/76-Estt.—The Director General, CRP Force is pleased to accept the resignation tendered by Dr. V. Dalip Murthy, an ad hoc J.M.O. of 19th Bn, CRPF with effect from the forenoon of 16th August, 1979.

The 4th September 1979

No. O. II-284/69-Estt.—On the expiry of 92 days L.P.R. w.e.f. 1st August 1979 to 31st October 1979 granted to him, Shri K. M. Subba, Dy. S.P. Group Centre, CRPF, New Delhi will retire from service in this Force w.e.f. the afternoon of 31st October 1979.

No. O. II-1234/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government service Shri C. K. Bhaskara Kurup relinquished charge of the post of Dy. S.P. 3rd Signal Bn., CRPF, on the afternoon of 31st July 1979.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Admn.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KARNATAKA

Bangalore, the 9th August 1979

No. ES.I/A4/79-80/431.—The Accountant General is pleased to promote the following officiating/permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge :—

S/Shri

1. F. S. Ganeshan,
2. L. Sitaram.

The promotions are subject to the ultimate results of Writ Petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court.

M. A. SOUNDARARAJAN
Sr. Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 22nd August 1979

No. OE.I/238.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each :—

S/Shri

1. B. L. Surhele (02/0251)—28-7-79, Forenoon.
2. R. P. Parsai (02/0252)—27-7-79 Forenoon.
3. Jawaharlal S/o Shri Ramswaroop (02/0253)—27-7-79 Forenoon.

D. C. SAHOO
Senior Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 1st September 1979

No. Admn.I/105.—The following Audit Officers of this Organisation are appointed in a substantive permanent capacity in the Audit Officers Grade with effect from 2nd June 1979.

S. No. & Name

S/Shri

1. G. C. Gupta, A.O.
2. M. R. Schgal, A.O.
3. S. P. Talwar, A.O.
4. S. S. Roy, A.O.

Sd./- ILLEGIBLE
Director of Audit.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 1st September 1979

No. 2722/A.Admn./130/79.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri P. P. Sethi, Substantive member of the S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Audit Officer, Defence Services, Jullundur with effect from 21st August 1979 (F.N.) until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK
Joint Director of Audit.

COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 7th August 1979

No. 1(4)-A/CPE/79.—On transfer from the Ministry of Finance Department of Expenditure (Defence Division), Shri R. L. Bagga, an Accounts Officer of the Defence Accounts Department who was serving as Section Officer (excluded) in the Defence Division is appointed as Research Officer in the Commission on Public Expenditure in the scale of pay of Rs. 700—1300 on usual deputation terms with effect from the afternoon of 30th June, 1979, until further orders.

U. S. TECKCHANDANI
Under Secy. (Admn.)
Commission on Public Expenditure.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 16th August 1979

No. 44016(1)/73-AN-I.—The President is pleased as an interim measure, to appoint ad hoc, the following Junior Administrative Grade officer of the IDAS to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 2000—125/2—2250) of that Service with effect from the date shown against him, until further orders :—

Name & Date of promotion

Shri S. S. Shukla—20th December 1978 (FN).

The 22nd August 1979

No. 86016(16)/78/AN-I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that service,

until further orders, with effect from the dates shown against them.

- (1) Shri Biswajit Banerjee—20th July 1979 (FN).
- (2) Shri G. C. Bhandari—23rd July 1979 (FN).
- (3) Shri Malkit Singh—25th July 1979 (FN).
- (4) Kum. Somi Tandon—05th July 1979 (FN).

R. L. BAKHSI

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN).

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 27th August 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/79-Admn.(G)/6466.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Singhal a permanent officer of Section Officer's Grade of the CSS to officiate in Grade I of that Service for the period from 30th April 1979 to 5th July 1979.

2. The President is also pleased to appoint Shri Singhal as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports for the aforesaid period.

The 31st August 1979

No. 6/644/61-Admn(G)/6593.—Shri M. D. Nadkarni, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay expired on 24th July 1979.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 9th August 1979

No. A-19018(53)/73-Admn.(G).—Kumari S. Rohini relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade I) (Economic Investigation) (Grade IV of IES) in Small Industries Service Institute, Madras, on the afternoon of 17th July, 1979.

No. A-19018(389)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. B. Jayakumar as Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in the Small Industries Service Institute, Cuttack, with effect from the forenoon of 13th July, 1979, until further orders.

No. A-19018(412)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Keshav Rai Sharma as Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Indore, with effect from the forenoon of 12th July, 1979, until further orders.

The 17th August 1979

No. A-19018/439/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. P. Sinha, IAS (AM: 1965) as Joint Development Commissioner in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 1st August 1979.

The 18th August 1979

No. A-19018(403)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Das as Assistant Director (Gr. I) (Metallurgy) in the Small Industries Service Institute, Muzaffarpur with effect from the forenoon of 6th July, 1979, until further orders.

No. 12(444)/64-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri V. S. Chadha, a permanent Small Industry Promotion Officer and officiating Deputy Director (Industrial Management & Training) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st July, 1979.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.).

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-1, the 1st September 1979

No. A-17011/154/79-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri P. N. Mishra, Examiner of Stores (Assaying) in the Jamshedpur Inspectorate to officiate on ad hoc basis as Assistant Inspecting Officer (Met-Chem.) in the Burnpur Inspectorate w.e.f. the forenoon of 9th July, 1979 and until further orders.

No. A-17011/155/79-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shrimati J. P. Allencherry, Examiner of Stores (Assaying) in the Jamshedpur Inspectorate to officiate on ad hoc basis as Assistant Inspecting Officer (Met-Chem.) in the same Inspectorate w.e.f. the afternoon of 5th July, 1979 and until further orders.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 24th August 1979

No. A-1/1(991).—Shri S. K. Desai, substantive Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay, has retired from Government service with effect from 31st July 1979 (AN) on attaining the age of superannuation.

K. KISHORE
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 27th August 1979

No. 5285B. A-32014(1-Assst. Geol.)/78-19A.—Shri V. Sundaram, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th January, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General.

SURVEY OF INDIA

Surveyor General's Office

Dehradun the 23rd August, 1979

No. C-5544/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on ad-hoc provisional basis :—

Sl. No.	Name and Designation	Unit/Office	With effect from
1	2	3	4
1.	Shri A.B. Roy Draftsman Div. I Sel. Grade	No 66(ACCM) Party (Surair) New Delhi	15th May, 1978 (F.N.)
2.	Shri O.P. Gupta Surveyor Sel. Gd.	No. 64(AHS) Party (Surair) New Delhi.	3rd March, 1978 (FN)
3.	Shri S. Barobhaiya, Surveyor Sel. Gd.	No- 18 Party (EC) Ranchi	19th June, 1979 (AN)

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

National Archives of India

New Delhi-1, the 4th September. 1979

No. F. 15-8/78-A.1.—The Director of Archives Govt. of India hereby appoints the undermentioned (Class II Gazetted) regular temporary officers in a substantive capacity with effect from the dates shown against each of them :

S. No.	Name	Designation	Date of substantive appointment
(1)	(2)	(3)	(4)
1	Sh. C.P. Mehra	Scientific Officer	w.e.f. 14-3-74 vice Sh. P.C. Majumdar, Pmt. Scientific Officer, retired.
2.	Miss Sobha Basu	Microphotographer	w.e.f. 31-12-75 vide Sh. N.R.R. Chari, Pmt. Microphotographer, confirmed as Asstt. Director of Archives (P).

1	2	3	4
3. Sh. Om Prakash Bhugra		Microphotographer	w.e.f. 23-9-77 vice converted post vide Deptt. of Culture No. F.5-69/76-CAI(2) dt. 23-9-77.
4. Sh. Syed Mohd. Raza Baqar		Archivist (Oriental Records).	w.e.f. 1-6-76 vice Sh. A.D. Khan, Pmt. Archivist (OR) retired.
5. Sh. J.A. Chishti		Do.	w.e.f. 1-6-76 vice Sh. J.R. Gupta, Pmt. Archivist (OR) retired.
6. Dr. Sarwat Ali		Do.	w.e.f. 7-7-77 vice Sh. K.L. Arora Pmt. Archivist (OR) and confirmed as Asstt. Director of Archives (OR).
7. Sh. Kabir Kaur sar		Do.	w.e.f. 21-10-78 vice Sh. R.R. Aggarwal, Pmt. Archivist (OR) retired.

B.S. KALRA,
Administrative Officer,
National Archives of India,
for Director of Archives,

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE

New Delhi, the 29th August 1979

No. A-31013/5/77(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Manjul in a substantive capacity to the permanent post of Deputy Assistant Director General (School Health Education) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services with effect from the 29th June, 1976.

The 1st September 1979

No. A-12026/20/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Naresh Chandra Sangal to the post of Junior Staff Surgeon (Dental) under the Central Government Health Scheme, New Delhi, with effect from the forenoon of the 1st August, 1979, on an ad hoc basis and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Junior Staff Surgeon (Dental) under the C.G.H.S., New Delhi, Dr. Naresh Chandra Sangal relinquished charge of the post of Dental Surgeon at Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, on the forenoon of the 1st August, 1979.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M).

12. S. D. Kathalkar
13. R. K. Pande
14. M. J. Mohan Rao
15. K. K. Sirohi
16. Smt. Ansuya Sivarajan
17. V. E. Edvin
18. Shri S. P. Saxena
19. N. G. Shukla
20. R. C. Singhal
21. H. N. Shukla
22. K. G. Wagh
23. S. Suryanarayana Murthy
24. V. L. Vairaghar
25. S. R. Shukla
26. M. C. Bajaj
27. N. S. Chelapati Rao
28. K. Jayanandan
29. C. M. Girdhar
30. S. A. Shamsi
31. S. S. R. Sarma.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 30th August 1979

No. A-19025/65/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st August, 1979.

S/Shri

1. R. S. Singh
2. B. N. K. Sinha
3. A. N. Rao
4. R. V. S. Yadav
5. M. P. Singh
6. H. N. Rai
7. D. N. Rao
8. S. P. Shinde
9. R. C. Munshi
10. K. K. Tiwari
11. S. K. Mallik

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 1st September 1979

No. NAPP/Adm/1(149)/79-S/10060.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri H. Ganesan officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Civil Engineering Group, Kalpakkam to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of August 16, 1979 until further orders.

No. NAPP/Adm/1(148)/79-S/10059.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri T. M. Bhattathiri, an officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Civil Engineering Group, Kalpakkam to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of August 16, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN,
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 13th August 1979

No. DPS/23/9/77/Est/19938.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. K. VYAS, temporary Purchase Asstt. of this Directorate to officiate as Asstt. Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from June 11, 79 (FN) to July 28, 1979 (AN) vice Shri P. NARAYANAN KUTTY granted leave.

No. DPS/23/9/77/Est.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri N. C. Bhatnagar, temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from 4-6-1979 (FN) to 7-7-1979 (AN) vice Shri S. P. Anand granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN,
Assistant Personnel Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 27th August 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ram Kumar Sharma, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the Forenoon of 13th July, 1979 until further orders.

M. S. RAO,
Sr. Administrative & Accounts Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra, the 29th August 1979

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy

extends the ad-hoc appointment of Shri Y. B. Volankar as Assistant Accounts Officer for the period from 1-8-1979 to 16-8-1979.

A. D. DESAI,
Chief Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 3rd August 1979

No. E(1) 00954.—The Director General of Meteorology hereby appoints Dr. Tufail Ahmed Khan as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14th June, 1979 and until further orders.

G. R. GUPTA,
Director
for Director General of Meteorological

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd September 1979

No. A. 32014/2/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri P. N. Sharma, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Palam to the grade of Asstt. Communication Officer on ad-hoc basis with effect from 30-7-79 (FN) vice Shri C. L. Khara, Assistant Communication Officer nominated for Hindi Training and to post him at the same station.

S. N. MOTWANI,
Officer on Special Duty (E)

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay, the 30th June 1979

No. St.-1/1979-80.—In exercise of the powers conferred on me by Sub-Rule(1) of Rule 232-A of the Central Excises (Seventh Amendment) Rules 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses, and other particulars specified in Sub-Rule (2) of the persons who have been convicted by the Court under section 9 of the Central Excises and Salt Act 1944, and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an Officer referred to in Section 33 of the Act are follows :—

I—COURT CASE

S. No.	Names of the Persons	Addresses	The provisions of the Act contravened.	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
NIL				

II-DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS

S. No.	Names of the Persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- (Rs. Ten Thousand) or more has been imposed by an Officer referred to section 33 of the Act.	Addresses	Provisions of the Act or Rules made the re- under contravened.	Amount of penalty imposed	Value of excisable goods adjudged by an Officer under section 33 to be confiscated.	Amount of fine in lieu of confiscation under section 34 of the Act.
1	2	3	4	5	6	7
1	M/s Western India Spg & Mfg. Co. Ltd.	Dattaram Lad Peth Kala Chokwey, Bombay-33.	Rules 9(1), 9A r/w 173F, 173B.	Rs. 1,00,000-00	Rs. 7,81,299-00	—

1	2	3	4	5	6	7
2.	M/s Survarna Processors.	Khetan Ind. Compound Mahur Rd. Bombay-74.	Rules 173, 173G(1) r/w 9(1) 173G(2)r/w 52A, 173G(4) r/w 53 & 226	1,000-00 110,000-00	1,22,849-38	20,500-00

K.S. DILIP SINGHI
Collector of C. Ex. Bombay-1.

Pune, the 30th August 1979

No. 1/CEX PN/79—Statement for quarter ending 31-12-1978 showing names, addresses and other particulars of the assessee who have been found by an officer referred to in Sec. 33 of the Central Excise and Salt Act, 1944 to have contravened the provisions of central Excise Rules and on whom a penalty of ten thousand rupees or more has been imposed by such officer.

S.No.	Names and addresses of the assessee	Names of the partners	Provisions of the Rules contravened	Amount of penalty imposed	The value of excisable goods adjusted to be confiscated	Amount of fine in lieu of confiscation, if any, imposed	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	M/s Marc Zip Industry, Plot No. 4, 5 block, Bhosari Industrial Area, Pune-411026	(1) Shri Chandiram Chotumal Aswani. (2) Shri Anil Chandiram Aswani. (3) Shri Raju Chandiram Aswani.	Rules 173C(1), (2) Rules 173F read with 9(1), 173G(1), 173G(2) read with Rule 52A & Rule 173G-4 read with rule 53 of Central Excise Rules 44. Cleared excisable goods in contravention of above C. Ex. Rules valued at Rs. 409425-11 and Rs. 544696-11 during financial years 1974-75 and 1975-76 respectively and evaded duty to the extent of Rs. 190824-84.	40,000/-	1,905/-	500/-	Order (original) No. V (53) 15-28/Adj/76 dated 30-5-1977 passed by the Collector of Central Excise and Cus. Pune.
2.	M/s Techno Packaging Industries, 185-186, Industrial Estate Sangli.	(1) Shri Vijay Babasaheb Patil. (2) Shri Prakash Vasant-rao Patil.	Rule 173F read with Rule 9(1), Rule 173G(1) Rule 173G(2) read with Rule 52A, Rule 173 G (4) read with Rule 53 of Central Excise Rules, 1944 cleared excisable goods in contravention of above Rules valued at Rs. 28,93,204-58 and evaded duty to the extent of Rs. 91952-01.	Rs. 20,000/-	Rs. 3,565/-	Rs. 1,000/-	Order (Original No. V (68) 15-221 /Adj/76 26-11-77 passed by the Collector of Central Excise and Customs, Pune.

H.M. SINGH
Collector of Central Excise
& Customs, Pune.

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 31st August 1979

S. No. 1.—On his appointment as Stores Officer, Shri N. Venkatacharvulu took over charge as Stores Officer, Group 'B' in the Scale of Rs. 650-30-740-35-840-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the forenoon of the 20th June, 1979 at the Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Neemuch.

S. No. 2.—On his appointment as Research Officer, Shri Nittala Venkata Rama Rao took over charge as Research Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-840-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the forenoon of 22nd June, 1979 at the Government Opium and Alkaloid Works undertaking, Neemuch.

V. T. KALE,
Chief Controller of Factories.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-22, the 27th August 1979

No. 6/2/79-ADM.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned Technical Assistant/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

Serial No.	Name/Designation	Date of appointment
1.	Shri Navin Seth, Technical Assistant—3-5-1979.	
2.	Shri Vijay Pal, Supervisor—23-7-1979.	
3.	Shri K. L. Bhugra, Supervisor—7-8-79 (Forenoon).	

The 30th August 1979

No. 6/2/79-ADM.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri G. C. Dhaundiyal, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from 20-7-79, until further orders.

S. BISWAS,
Under Secy.

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 30th August 1979

No. 15.—Shri D. K. Tandan an Officer of IRSME Department has resigned from Railway Service w.e.f. 30-4-1979 A.N.

R. K. NATESAN
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Balajee Cargo Movers Private Ltd.

Bangalore, the 6th August 1979

No. 3184/560/79.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Balajee Cargo Movers Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kaveri Chit Funds Private Ltd.

Bangalore, the 27th August 1979

No. 1779/560/79.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kaveri Chit Funds Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Kejriwal Commercial Corporation Private Limited

Kanpur, the 23rd August 1979

No. 9735/2945L.C.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the The Kejriwal Commercial Corporation Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYAMAM,
Registrar of Companies, U.P.
Kanpur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Office of the Registrar of Companies, Andhra Pradesh
Hyderabad, the 29th August 1979

No. 407/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Progressive Concerns Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Globe Export Promoters Private Limited

Hyderabad, the 29th August 1979

No. 1425/560/T.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of M/s. Globe Export Promoters Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies
Andhra Pradesh : Hyderabad.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bilaspur Paper & Board Mills Pvt. Ltd.

Gwalior, the 31st August 1979

No. 1075/BSY/2906.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Bilaspur Paper & Board Mills Pvt. Limited Bilaspur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Janata Works Pvt. Ltd. (India)

Bombay, the 31st August 1979

Co. No. 10956/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Janata Works Pvt. Ltd. (India) has been ordered to be wound up by an order dated 29-11-1978 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

(Sd.) ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Vishal Cold Storage Limited

Kanpur, the 1st September 1979

No. 10154/4095 LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Vishal Cold Storage Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kamal Talkies Private Limited

Kanpur, the 3rd September 1979

No. 10152/3705 LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Kamal Talkies Private Limited has this day been struck and the said company is dissolved.

B. D. GUPTA
Registrar of Companies, U.P., Kanpur.

FORM ITNS

(1) Shri Rajender Kumar Kaistha son of Dr. Daya Shankar, Resident of : B-1/44, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lalit Kumar Parakh son of Shri Kranti Kumar Parakh Resident of : 944 Maliwara Street, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 4th September 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

No. I.A.C. Acq.1/S.R.III/42-1978/916.—Whereas, I, Miss ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B-1/44 situated at Hauz Khas, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 29-12-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A single storeyed house built on a plot of land No. B-1/44 measuring 270 Sq. yards situated at Hauz Khas, New Delhi and bounded as under :

North : B-1/31, 32 and 33
South : Road
East : Plot No. B-1/43-A
West : Road, New Delhi.

Miss ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

Date : 4-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 4th September 1979

No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/12-1978/882.—Whereas I, Miss ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. W-92 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Roshan Lal Kawatra, son of Shri Bhagat Ram Kawatra, Resident of : 15-UB Jawahar Nagar, Delhi through G.A. Shri Prem Parkash Kawatra.
(Transferor)
- (2) Shri Bawa Harsharan Singh Bhalla son of Shri Harbans Singh Bhalla C/o M/s Bawa Harbans Singh Bhalla & Sons, Timber Merchants, Kotla Mubarakpur, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. W-92 measuring 550 Sq. yards in the residential colony of Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under :

East : Service lane
West : Road
North : Plot No. W-88
South : Plot No. W-94.

Miss ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 4-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 4th September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/12-78/855.—Whereas I, Miss ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Village Satbari, Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Subhdra Amichand W/o Shri R. S. Amichand Resident of Simla through Attorney Smt. Vidya Stokes Wd/s Shri L. C. Stokes Resident of Simla (H.P.).

(Transferor)

(2) Shri Thakur Dass S/o Shri Kishan Chand C/o Parvesh Ravinder Co. Darbari Lal Market, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 20 Bighas 12 Biswas situated at Village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

The property more fully described in the instrument of transfer.

Miss ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 4-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 31st August 1979

Ref. No. HNS/3/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 3 kanals 8 marlas situated at Bheri Akbarpur Teh. Hansi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi in December 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

15-246GI/79

(1) S/Shri Bajrang Mohan, Ratish Mohan ss/o Shri Ram Sarup, Arun Kumar, Satish Kumar alias Suresh Kumar, Rajinder Kumar, Adhok Kumar ss/o Shri Shyam Sunder R/o Hissaria Bazar, Sirsa,
(Transferor)

(1) 1. Smt. Kaushalya Devi W/o Shri Jamana Dass R/o near Partap Talkies, Rohtak.
2. Smt. Yashodha Rani W/o Shri Balwant Singh R/o near P.O. Tohana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ghair-munkin land measuring 3 kanals 8 marlas situated at Bheri Akbarpur Teh, Hansi and as mentioned in the sale deed registered with Sub-Registrar, Hansi at No. 2030, dated 18-12-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 31-8-1979.

Sent :

FORM ITNS—

- (1) S/Shri Jagdish Mohan and Rajinder Mohan ss/o Shri Brij Bhushan Lal residents of Shankar Niwas Tehsil Road, Hissar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 31st August 1979

Ref. No. HNS/2/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 3 kanals 8 marlas situated at Bheri Akbarpur Teh. Hansi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi in December 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Shri Sudesh Kumar s/o Shri Balwant Singh Marya Shri Karnail Singh S/o Shri Lachhman Singh Marya Near Post office, Tobana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Chair-mumkin land measuring 3 kanals 8 marlas situated at Bheri Akbarpur Teh. Hansi and as mentioned in the sale deed registered with Sub Registrar, Hansi at No. 2029 dated 18-12-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 31-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 31st August 1979

Ref. No. HNS/4/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Cinema Building Raj Laxmi Theatre, situated at Bheri Akbarpur (Uklana),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sh. Jagdish Mohan and Rajinder Mohan ss/o Shri Brij Bhushan Lal,
Smt. Nalini Jagdish Mohan W/o Jagdish Mohan,
Sushila Mohan W/o Rajinder Mohan,
R/o Shankar Niwas Teh. Road, Hissar.
2. S/Shri Ram Sarup Bansal S/o Ram Kanwar,
Smt. Savitri Devi W/o Ram Sarup,
Sham Sunder S/o Ram Lal,
Suraj Devi W/o Sham Sunder,
R/o Hissaria Bazar, Sirsa.
- (2) 1. S/Shri Rattan Kumar & Raj Kumar ss/o Balwant Singh,
Manjoo Grover W/o Ishwar Chand,
Dharam Grover W/o Lajpat Rai,
R/o Near P.O. Tohana,
Hans Raj S/o Sadhu Ram
2. Shri Kirpal Shah S/o Sant Singh,
Village and P.O. Kadai Kalan (Kapurthala).
3. Shri Ramji Dass s/o Mohri Ram,
Near P.O. Tohana.
4. Smt. Raj Rani W/o Sunder Kumar,
Arun Marya S/o Vinod Kumar Marya,
R/o near P.O. Tohana,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Building Raj Laxmi Theatre, Bheri Akbarpur (Uklana) and as more mentioned in the sale deed registered with Sub-Registrar, Hansi at No. 203, dated 18-12-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK
Rohtak, the 31st August 1979

Ref. No. HNS/2 to 4/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Cinema Building with land measuring 6 kanal 18 marlas situated at Bheri Akbarpur (Uklana)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hansi in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Rajinder Mohan, Jagdish Mohan ss/o Brij Bhushan Lal;
Paras Ram s/o Jot Ram;
Bajrang Mohan, Ratish Mohan ss/o Ram Sarup;
Ram Kumar, Arun Kumar, Satish Kumar ss/o Sham Sunder;
Rajinder Kumar, Ashok Kumar ss/o Sham Sunder,
R/o Sirsa;

Smt. Savitri Devi W/o Ram Sarup Bansal;
Sham Sunder Bansal s/o Ram Lal;
Smt. Suraj Devi w/o Sham Sunder,
R/o Sirsa,
Smt. Sushila Mohan and Smt. Nalini Jagdish Mohan w/o Jagdish Mohan,
R/o Sirsa,

(Transferor)

- (2) S/Shri Sudesh Kumar s/o Balwant Singh;
Karnail Singh s/o Lachhman Singh,
R/o Tohana;
Smt. Kaushalya Devi w/o Jamma Dass,
R/o Rohtak;
Smt. Yashoda Rani w/o Balwant Singh,
R/o Tohana;
Rattan Kumar, Raj Kumar ss/o Balwant Singh,
R/o Tohana;
Smt. Manju Grover w/o Ishwar Chand,
R/o Hissar;
Smt. Dharam Grover w/o Lajpat Rai,
R/o Rohtak;
Hans Raj w/o Sadhu Ram
R/o Tohana;
Raj Rani w/o Sunder Kumar,
Smt. Arun Marya w/o Vinod Kumar;
Ramji Lal s/o Mohri Ram,
All Rs/o Tohana;
Kirpal Shah s/o Sant Singh,
R/o Karal Kalan (Kapurthala) etc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being a Cinema Building 'Raj Laxmi Theatre' with land measuring 6 kanal 16 marlas situated at Bheri Akbarpur (Uklana) and as more mentioned in the sale deeds registered with the sub-Registrar, Hansi at serial Nos. 2029, 2030 and 2031 dated 18-12-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-8-1979
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Suresh Vasudeo Chimote,
Camp,
Amravati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Apratim Sahakari Gruh Nirman Saustha,
Maryadit,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 11th June 1979

No. IAC/ACQ/91/79-80.—Whereas, I, M. V. R. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8, Part portion thereof on Jail Road, Camp, situated at Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 7-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part Portion of Nazul Plot No. 8 of Sheet No. 12, on Jail Road, Camp, Amravati. (Area 57,405 Sq. ft.)

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Nagpur

Date : 11th June, 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 11th June 1979

No. IAC/ACQ/92/79-80.—Whereas, I. M. V. R. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 549/0+1, Plot No. 143 & 145, in Telipura, Sitabuldi, situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 29-12-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahadeorao Kisanji Dhote,
C/o Vasant Fine Art Litho Works,
Gondia.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Mahadeorao Dhote,
C/o Vasant Fine Art Litho Works,
Gondia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pucca House Standing on Plot No. 143 and 145, House No. 549/0+1, in Ward No. 2, Telipura, Malviya Road, Sitabuldi, Nagpur.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Nagpur

Date : 11th June, 1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Harbans Kaur w/o Shri Hardev Singh,
Tripuri Saidan, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Kaur w/o Shri Akal Sewak Singh,
R/o Dharampura Bazar, Patiala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. PTA/196/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 2 bigha (1672 sq. mt.) (0-16-44 Hecter) situated at Tripuri Saidan, Patiala situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 2 bigha (1672 sq. mt.) 0-16-44 situated at Tripuri, Patiala.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4679 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date . 2nd August 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. LDH/147/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Part of house property No. B-I-630/12, on a plot measuring 44.4/9 Sq. yards situated at Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagjit Singh s/o Shri Amrik Singh,
R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Hari Dass, s/o Shri Talsa Singh,
R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Babu Ram, of M/s Babu Ram Cycle Works,
2. Shri Sawaran Singh,
R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3484 of December, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10-8-1979

Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. LDH/151/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana on a plot measuring 44.4/9 sq. yds. situated at Ludhiana (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

16—246GI/79

(1) Shri Jagjit Singh s/o Shri Amrik Singh,
R/o B-I-630/12, Kucha No. 8, Kundan Puri,
Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shrimati Jai Kaur w/o Shri Tulsa Singh,
R/o B-I-630/12 Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

(3) 1. Shri Babu Ram, of M/s Babu Ram Cycle Works,
2. Shri Sawaran Singh,
R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3508 of December, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-8-1979

Seal :

FORM IINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. LDH/153/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana on a plot measuring 66.2/3 sq. yds. situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagjit Singh s/o Shri Amrik Singh,
R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Roshan Dass s/o Shri Tulsa Singh,
R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Babu Ram, of M/s Babu Ram Cycle Works,
2. Shri Sawarn Singh,
R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3515 of December, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. LDH/146/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana on a plot measuring 44.4/9 sq. yds. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagjit Singh s/o Shri Amrik Singh,
R/o B-I-630/12, Kucha No. 8, Kundan Puri,
Civil Lines, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Tej Paul s/o Shri Talsa Singh,
R/o B-I-992, Chowni Mohalla, Ludhiana, now
R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana. (Transferee)
- (3) 1. Shri Babu Ram of M/s Babu Ram Cycle Works,
2. Shri Sawaran Singh,
R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3480 of December, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. PTA/241/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 6 kanal situated at Tripari Saidan (Harman Colony) Patiala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdinder Singh Grewal s/o Shri Hardev Singh Grewal,
R/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.
(Transferor)
- (2) Shri Balinder Singh s/o Shri Sukhinder Singh,
P/o 27-D, Model Town Patiala.
Shri Karadu Singh s/o Shri Puran Singh,
R/o Ubhawal Teh. Sunam Distt. Sangrur, and
Smt. Kamlesh Kumari w/o Shri Surinder Kumar,
R/o 27-D, Model Town Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanal situated at Tripari Saidan, Patiala.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5457 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-8-1979
Seal :

FORM ITNS _____

(1) Shri Kedar Nath Ohri s/o Shri Vidya Shankar,
43, Hospital Road, Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. LDH/160/78-79.—Whereas, I, R. K.
MALHOTRA,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. Plot No. 46, situated in Bhadaur House, Ludhiana
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in December, 1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(2) Smt. Raj Rani w/o Shri Ajudhia Parshad, and
Shri Shiv Kumar s/o Shri Ajudhia Parshad,
R/o H. No. B-2/1397, Deepak Cinema Road,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 46, situated in Bhadaur House, Ludhiana,
(The property as mentioned in the Registered Deed No.
3682 of December, 1978 of the Registering Officer,
Ludhiana.)R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-8-1979

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. CHD/260/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House No. 50, Sector 8-A, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Sumitra Devi wd/o Late Shri Shankar Lal,
 - (2) Shri Subodh Kumar s/o Late Shankar Lal, R/o 38, Sparshat Road, Islington, London.
 - (3) Mrs. Asha Bhandoola w/o Commander Surinder Bhandoola, R/o Noseana Base, Vishakhapatnam.
- (Transferors)
- (2) 1. Shri Jagjit Singh s/o Shri Gurnam Singh,
 2. Mrs. Dhanwant Kaur w/o Shri Jagjit Singh,
 3. Shri Kanwal Nain Singh,
 4. Shri Naininder Singh and
 5. Shri Pawaninder Singh through Shri Jagjit Singh, R/o H. No. 50/8A, Chandigarh.
- (Transferee)
- (3) Shri G. K. Jain, R/o 50/8A, Chandigarh.
- [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 50/8A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 785 of December, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. NBA/84/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops Nos. 1 & 2 situated at Hira Mehal, Nabha on plot measuring 51.25 sq. yds. situated at Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gauran Devi w/o Shri Ram Sarup Sharmas of Nabha Now, R/o 3320, Sector 27-D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Lajwanti w/o Shri Parashotam Dass, Mohalla Bhatawala (Bhatta Street) Nabha. (Transferee)
- (3) 1. Shri Balbir Singh,
2. Shri Ghandhi Painter,
3. Shri Hari Chand,
R/o Shops No. 1 & 2, Patiala Road, Hira Mehal Colony, Nabha.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops situated at Patiala Road, Hira Mahal Colony, Nabha constructed on a plot measuring 51.25 sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1930 of December, 1978 of the Registering Authority, Nabha).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-8-1979
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. NBA/85/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop Nos. 3 & 4 situated at Patiala Road, Hira Mahal Colony, situated at Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gauran Devi w/o Shri Ram Sarup Sharma of Nabha Now,
R/o H. No. 3320, Sector 27-D, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Shri Parshotam Dary s/o Salig Ram,
R/o Mohalla Bhatawala (Bhatian Street) Nabha.
(Transferee)

(3) (1) Shri Pawan Singh and
(2) Shri Ved Parkash,
R/o Shops No. 3 & 4 Patiala Road, Hira Mahal colony, Nabha.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 3 & 4 situated at Patiala Road, Hira Mahal Colony, Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1931 of December, 1978 of the Registering Authority Nabha).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. CHD/251/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 652.17 sq. yards situated in Sector 23-A, Chandigarh bearing No. 111.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—246GI/79

(1) Smt. Swarna Kapoor, Smt. Durga Devi, Shri Sunil Kapoor (through special attorney, Smt. Swarna Kapoor), Anil Kapoor Rajiv Kapoor, Vimal Kapoor, Miss Madhu Kapoor, Sanjiv Kapoor, Miss Neeru Kapoor, All wife/sons/daughters of late Shri S. L. Kapoor, R/o H. No. 410, Sector 22-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi w/o Shri Jagdish Raj Goyal, R/o H. No. 3945/2 Palang Bazar, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot measuring 652.17 sq. yards bearing No. 111, situated in Sector 23-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 723 of December, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. KNN/54/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 20 kanal 16 marlas situated in village Rahaun, near Khanna, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Khanna in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Gian Singh, Harbans Singh & Santokh Singh sons of Shri Bela Singh R/o Village Rahaun, near Khanna, Distt. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Amar Singh s/o Shri Nihal Singh, R/o Cinema Road, Khanna, Distt. Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 kanals 16 marlas situated in village Rahaun, near Khanna, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1642 of December, 1978 of the Registering Officer, Khanna).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date :
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Gian Singh, Harbans Singh & Santokh Singh, sons of Shri Bela Singh, R/o Village Rahaun, near Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gurbachan Kaur w/o Shri Amar Singh, R/o Cinema Road, Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. LNN/53/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 18 kanal with orchard and Elec. connection situated at village Rahaun, near Khanna, Distt. Ludhiana Village Rahaun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 kanal alongwith Elec. Motor & Connection situated in village Rahaun, The Samrala, Distt. Ludhiana).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1602 of December, 1978 of the Registering Officer, Khanna).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.Date : 10-8-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/187/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. 1658/5 Sant Niwas Friends Colony, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurinder Singh Sekhon s/o
Shri Gurbax Singh Sekhon,
R/o 2032, Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Gian Chand Sharma s/o
Shri Ram Rattan Sharma,
R/o 1680/3, Raghunajra, Patiala.

(Transferee)

- (3) Remand Observation House,
Social Welfare Deptt., Punjab Govt.,
Sant Niwas, Friends Colony, Patiala.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 1658/5 situated in Friends Colony, Sant Niwas, Patiala constructed over a plot measuring 356 sq. yards.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4502 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date : 16-8-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/305/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 67 kanals 7 marlas situated at Village Lang Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Nirmal Kumar & Ved Parkash ss/o Sh. Sarup Chand r/o H. No. 1873/3, Nimb wala Chowk, Raghomajra, Patiala,

(Transferor)

(2) Shri Rachan Singh s/o Shri Kishan Singh and Shri Tara Singh s/o Shri Bishna Ram, r/o Village Lang, Teh. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 67 kanals 7 marlas situated in Village Lang, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4618 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-8-79

Seal :

FORM ITNS-

(1) Maharani Dalip Kaur WJ/o Late Mahatara
Bhupinder Singh
r/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/219/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 38 kanals situated at Village Galhori Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Harbans Singh s/o Sh. Bachan Singh
s/o Sh. Harnam Singh,
Nabha Gate, 5-Green View, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 38 kanals situated in Village Galhori, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5163 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date : 16-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA7184/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 24 kanals situated at Village Galhori, Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maharani Dalip Kaur wd/o Late Maharaja Bhupinder Singh r/o Patiala through G.A. Shri Somraj Singh s/o Prithvi Rai Singh r/o Kohti Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh s/o Shri Bachan Singh
r/o 5-Green View, Patiala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 kanals situated in Village Galhori Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4472 of December 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date : 16-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurdial Singh s/o Sewa Singh
r/o Village Ali Nangal Teh & Distt. Gurdaspur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Gurcharan Singh & Zora Singh ss/o Sh.
Gurbax Singh, Village, Raimal Majri Teh. Nabha.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref No. NBA/91/78-79.—Whereas I. R. K. MAL-
HOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Land measuring 14 bighas 1 biswa situated at Jatiwal Teh.
Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nabha in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in the
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 bighas 1 biswa situated in Village
Jatiwal Teh. Nabha,
(The property as mentioned in the Registered Deed No.
1977 of December, 1978 of the Registering Officer, Nabha.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date : 16-8-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Swadesh Kumar Gupta, s/o Late Sh. Chiranjiv Lal Gupta, Chiranjiv Bhawan, Anrik Singh Road, Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. CHD/258/78-79.—Whereas I, R. K. MAI-HOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 2039, Sector 21-C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Chandigarh in December, 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—246GI/79

(2) Shri Amrit Lal Chopra s/o Sh. Niranjan Dass Chopra, r/o 2039, Sector 21-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 2039, Sector 21-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 778 of December, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.

R. K. MAI-HOTRA,
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date : 16-8-1979

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. CHD/256/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House property No. 1265, Sector 8-C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sumitra Devi w/o Shri L. R. Sehgal
R/o B-79, New Rajindia Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Kailash Abbot w/o Shri Ramesh Chander Abbot, Rajdhani Motor, Show Room No. 42, Sector 7-C, Chandigarh.
(Transferee)

- * (3) Shri S. K. Kapoor, H. No. 1265, Sector 8-C, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 1265, Sector 8-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 752 of December, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date : 16-8-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jangir Singh s/o Picho r/o
Village Jakhlan, S. Teh. Dhuri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. DHR/75-A/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 17 bighas 4 biswas situated at V. Jakhlan, S. Teh. Dhuri

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Pritam Singh, Lal Singh, Chand Singh, Kesar Singh ss/o Ujagar Singh r/o V. Jakhlan, P.O. Meensa (Via Dhuri) S. Teh. Dhuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17 bighas 4 biswas situated in Village Jakhlan S. Teh. Dhuri.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2730 of December, 1978 of the Registering Officer, Dhuri).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date : 16-8-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Harbans Kaur w/o Shri Hardev Singh Grewal
r/o Bibrian Raod, Lahori Gate, Patiala.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Rajinder Kaur Bhalla w/o Sh. Manmohan
Singh Bhalla, r/o Raghomajra, Patiala &
Smt. Avtar Kaur w/o Sh. Ujagar Singh r/o
Ber House, Patiala.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/189/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 0-16-69 Hectors situated at Tripari Suidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 0-16-69 Hectors, situated in Tripari Suidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4545 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16-8-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jaswant Kaur W/o Shri Harinder Singh
Grewal r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Hukum Chand s/o Piara Lal, r/o 66-B, DLF
Colony, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref No. PTA/183/78-79.—Whereas I, R. K. Malhotra being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land measuring 2 kanals situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanals situated in Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4445, of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16th August 1979

Seal :

FORM 1111

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Parmjit Kaur w/o Sh. Sukhpal Singh r/o Village Dandrala Dhindsa, Teh. Nabha.
(Transferor)
- (2) Shri Sarwan Singh s/o Shri Nahar Singh, r/o Village Dandrala Dhindsa, Teh. Nabha.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. NBA/98/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 12 bighas 3 biswas situated in Village Dandrala Dhindsa Teh. Nabha situated at Village Dandrala Dhindsa, Teh. Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas 3 biswas situated in Village Dandrala Dhindsa Teh. Nabha.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2045 of December, 1978 of the Registering Officer, Nabha.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16th August 1979
Seal :

FORM IT.N.S. ———

(1) Shri Harjit Singh Grewal s/o Shri Hardev Singh Grewal r/o Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhag Singh s/o Shri Puran Singh r/o Top Khana Gate, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/186/78-79.—Whereas I, R. K. Malhotra, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land measuring 1/9th share of 0-40-47, Hectar, situated in Tripari Saidan, Patiala situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1/9th share in 0-40-47 Hectar situated in Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4498 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

R. K. MALHOTRA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16th August 1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/185/78-79.—Whereas I, R. K. Malhotra, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

plot of land measuring 1/9th share in 0-40-47 Hectar situated in Tripari Saidan, Patiala situated at Tripari Saidan, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978 for an apparent consideration.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harjit Singh Grewal s/o Hardev Singh Grewal
r/o Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh s/o Shri Puran Singh, r/o Top Khana Gate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1/9th Share in 0-40-47 Hectar situated in Tripari Saidan Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4497 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16th August 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/198/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 13 kanals 11 marlas, situated at Village Galhori, Teh. Patiala (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dalip Kaur wd/o
Late Maharaja Bhupinder Singh of Patiala,
General Attorney of Smt. Minakshi Jhalla d/o
Sh. Prithvi Raj Singh,
Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur, d/o
Shri Narain Singh,
r/o Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 kanals 11 marlas, situated in Village Galhori, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4724 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16-8-79

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. CHD/268/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Annex No. 1099 built on plot No. 35, Street No. B Sector situated at Sector 21-B, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shanti Devi, w/o
Shri Ram Rakha Mal,
r/o H. No. 1012, Sector 21-B,
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Akshaya Handa (minor) through N/g and
Father Sh. Vidya Sagar Handa
r/o Bay Shop No. 20, Sector 20-C,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Annexe. No. 1099, built on a Plot No. 35, Street No. B, Sector 21-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 823 of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 16-8-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Babu Ram s/o Sh. Relu Ram,
r/o Iron Bazar, Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Kanta Devi w/o
Shri Darshan Kumar, c/o
M/s. Jain Iron Store,
M/s Barnala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA(3) M/s I. S. Steel Corporation,
Loha Bazar, Mandi Govindgarh.
[Person in occupation of the property]Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. AML/98/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 Share in Shop, situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in Shop, situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1372 of December, 1978 of the Registering Officer, Amloh.)

R. K. MALHOTRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bant Ram s/o Relu Ram,
r/o Iron Bazar,
Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pawan Kumar s/o Inder Sain,
c/o M/s Jain Iron Store,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

(3) M/s I. S. Steel Corporation,
Loha Bazar, Mandi Govindgarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. AML/97/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing 1/2 Share of Shop, situated in Loha Bazar, Mandi Gobindgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 Share in Shop, situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1371 of December, 1978 of the Registering Officer, Amloh.)

R. K. MALHOTRA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. PTA/195/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 2 kanals 2.5 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Gurinder Singh Grewal, s/o
Sh. Hardev Singh Grewal,
r/o Bibrian Road, Lahori Gate,
Patiala.

(Transferors)

- (2) Shri Tejinder Singh,
s/o Shri Arjan Singh,
r/o opp. Hira Bagh, Rajpura Road,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanals 2.5 marlas, situated in Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4678 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. AML/97/78-79.—Whereas I, R. K. tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of House No. 8764/5 situated at Brar Street, near Rly. Crossing No. 22, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. L. Beri, s/o
Shri Saran Dass Beri, r/o
H. No. 26/1, Lahori Gate,
(Transferor)
- (2) Shri Jai Narain Parkash Chopra,
Shri Jai Gopal Chopra,
Shri Yashpal Chopra,
Shri Harinder Pal Chopra,
s/o Shri Jatinder Nath Chopra,
H. No. 8764/5, Brar Street,
near Rly. crossing No. 22,
Patiala.
(Transferee)
- (3) Shri D. S. Sidhu,
Income-tax Officer,
1st Floor, H. No. 8764/5, Brar Street,
Near Rly. Crossing No. 22,
[Person in occupation of the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 8764/5, situated in Brar Street, near Rly. Crossing No. 22, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5003 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. PTA/208-A/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of House No. 8764/5, situated at Brar Street, Near Rly. Crossing No. 22, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Rajinder Lal Beri, s/o
Shri Saran Dass Beri, r/o
H. No. 26/1, Lahori Gate,
Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Jai Narain Parkash Chopra,
Shri Jai Gopal Chopra,
Shri Yashpal Chopra,
Shri Harinder Pal Chopra,
Shri Kamal Kumar Chopra,
s/o Shri Jatinder Nath Chopra,
r/o H. No. 8764/5, Brar Street,
Near Rly. Crossing No. 22,
Patiala.

(Transferee)

- (3) Shri D. S. Sidhu, Income-tax Officer,
1st Floor, H. No. 8764/5, Brar Street,
Near Rly. Crossing No. 22,
Patiala.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 8764/5, situated in Brar Street, Near Rly, Crossing No. 22, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4681 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. PTA/180/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 0-23-90 Hectors, situated in Tripari Saidan, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties less not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurinder Singh Grewal s/o.
Sh. Hardev Singh Grewal,
r/o Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Avtar Kaur, w/o
S. Ujagar Singh,
r/o Ber House, Patiala.
Smt. Iqbal Kaur w/o
Sh. Bhagwan Singh,
r/o Jan Kalyan Street, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 0-23-90 Hectors, situated in Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4314 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. PTA/177/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 4 kanals situated at Tripari Saldan, Teh. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20—246GI/79

(1) Smt. Jaswant Kaur, w/o
Shri Harinder Singh Grewal,
r/o Bibrian Road, Lahori Gate,
Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Garg
w/o Shri Hukam Chand
r/o B-66, DLF Colony, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4 kanals, situated in Tripari Saldan, Teh. Patiala.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 4240 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-8-1979

Seal :

FORM TINS — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. KHR/7/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 629, Phase I, situated at S.A.S. Nagar, Mohalli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Kishan, s/o
Shri Chuni Lal,
r/o Booth No. 18,
Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Dwarka Dass Sharma,
s/o Sh. Harnam Dass,
Smt. Shanti Devi, w/o
Shri Dwarka Dass Sharma,
r/o 2378, Sector 19-C,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 629, Phase-I, S.A.S. Nagar, Mohalli, Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3783 of January, 1979 of the Registering Officer, Kharar).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-8-1979
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. CHD/273/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 533, Sector 18-B,
situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

- (1) Smt. Gargi Sikand, wd/o
Sh. O. P. Sikand,
Miss. Kanwal Sikand, Miss Hema Sikand, ds/o
Late Sh. O. P. Sikand
r/o 3311, Sector 19-D, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Bir Singh,
Smt. Sham Kaur w/o Shri Gurbachan Singh,
Sh. Sukhvinder Singh,
Sh. Avtar Singh,
(Transferee)
- Sh. Rajinder Singh,
ss/o Shri Gurbachan Singh,
r/o 90-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.
- (3) M/s. Mohan Industries,
23 Industrial Area,
Chandigarh.
[Person in occupation of the property]
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 533, Sector 18-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 869 of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. PTA/192ff78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 4 kanals 13 marlas,

situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

- (1) Smt. Harbans Kaur, w/o
Sh. Hardev Singh Grewal,
r/o Bibrian Street, Lahori Gate,
Patiala.

(Transferor)

- (2) Smt. Iqbal Kaur, w/o
Sh. Bhagwan Singh,
r/o Jan Kalyan, Street,
Patiala.

& Smt. Avtar Kaur w/o Sh. Ujagar Singh r/o Ware
House, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4 kanals 13 marlas situated in Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4621 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

R. K. MALHOTRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. LDH/155/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10/13 share of Kothi No. 136 L&R, situated in Model Town, Ludhiana situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri
(1) 1. Sh. Inder Sain Beri,
2. Nukal Sain Beri,
3. Bal Kishan Beri,
4. Diya Kishan Beri,
5. Kuldip Raj Beri,
6. Shudev Raj Beri,
7. Banarasi Lal Beri,
ss/o Gurdas Beri,
8. Kumari Leela Devi Beri, d/o Gurdas Beri
9. Shanti Devi w/o Sh. Dharam Paul Malhotra,
10. Shakuntla Devi, w/o Sh. Madan Lal Malhotra
r/o 136, L&R Model Town, Ludhiana through
Sh. Inder Sain Beri, General Attorney,
136 L&R, Model Town, Ludhiana. (Transferor)

- (2) Shri Hari Singh s/o Jangir Singh,
Darshan Singh s/o Santokh Singh,
r/o 414, Industrial Area 'A', Ludhiana. (Transferee)

- (3) Nil. [Person in occupation of the property]

- (4) S/Sh. Parmatha Nath Beri,
Vidya Rattan Beri,
Subash Chand Beri,
r/o 136 L&R,
Model Town, Ludhiana. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10/13 Share of kothi No. 136 L&R, situated in Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered Deed No. 3632 of December, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. PTA/181/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land measuring 20 kanals 4 marlas situated at V. Sanaur, Teh. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ashwini Kumar Singh Marya, s/o
Late Col. Raghunath Singh Marya,
r/o Raghomajra, Patiala.

(Transferor)

- (2) Smt. Gurmit Kaur w/o
S. Mukhtiar Singh Gill,
Addl. District & Session Judge,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanals 4 marlas, situated at Sanaur, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4387, of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. H. G. Vijaya Raghava Reddy s/o Sri H. R. Guru Reddy, "Smruthi" 119, Gunningham road, Bangalore-560052.

(Transferors)

(2) Smt. Padmavathi S.R. w/o Sri S. N. Ramachandra No. 59, Ramaiyengar road V. V. Puram, Bangalore-560004.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-560001, the 4th July 1979

C.R. No. 62/23112/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. North Eastern portion of the site No. 277/27, Present No. 277/27-01 situated at Ashoka Pillar road 2nd Block Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Bangalore, Doc. No. 2801/78-79 on 25-12-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2801/78-79, dated 25-12-78]

North Eastern portion of the site No. 277/27, present No. 277/27-01, Ashoka Pillar road, 2nd Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundaries :

- E. Ashoka Pillar road.
- W. North western portion of site bearing Old No. 277/27, and New No. 277/27-02, belonging to Sri H. G. Sundrama Reddy.
- N. Property belonging to Smt. Kalyanamma, bearing No. 276; and
- S. Southern Eastern portion of site bearing No. 277/27 and new No. 277/2710, belonging to Sri H. R. Guru Reddy.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-7-79.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th July 1979

C.R. No. 62/23109/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 494, 39th Cross, VIII Block, situated at Jayanagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 2754/78-79 on 20-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. A. Nanda Kumar, S/o Pathi Adinaranaiah and P. N. Pravin (Minor) represented by his father and natural guardian Sri P. Nanda Kumar, both residing at No. 252, Middle School Road, Bangalore-560004.

(Transferors)

- (2) Shri P. B. Partha, S/o Pathi Bhaskaraiah; P. P. Ashok and P. P. Arun (Minor), Children of Shri P. B. Partha, represented by his father and natural guardian Shri P. B. Partha and all are residing at No. 428, Rastreeya Vidyalaya Road, V. V. Puram, Bangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2754/78-79, dated 20-12-1978)
Site No. 494, 39th Cross, VIII Block, Jayanagar, Bangalore.

Boundaries :

East : Site No. 493,
West : Site No. 495,
South : Site No. 499 and
North : Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-7-1979
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Sri K. L. Krishanaswamy, No. 224, II Stage, Binnamangala, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Fatima, No. 94, Salipeth, Chintamani, Kolar District.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 11th July 1979

C.R. No. 62/22831/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Building No. 224, Indiranagar situated at Binnamangala, IIInd Stage, Indiranagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 2666/78-79 on 26-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—246GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2666/78-79, dated 26-12-78]
Building bearing No. 224, Binnamangala IIInd Stage, Indiranagar, Bangalore.

Boundaries :

E : Site No. 215.
N : Site No. 223.
S : Site No. 225 and
W : Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 11-7-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-56000

Bangalore-560001, the 16th July 1979

C.R. No. 62/22806/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 140 situated at Binnamangala layout, new called Defence Colony Indiranagar, Bangalore-38, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 2607/78-79 on 19-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Major K. Thomas (Retd.) B/102, Spartan Enclave, Deccan College road, Poona-411006.

(Transferors)

(2) Shrimati Madame Vasantha Devi Ramakrishna Pillai No. 28, Jalan Balan Damansara Heights, Kuala Lumpur, Malaysia. (MALAYSIA).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2607/78-79, dated 19-12-1978].
Site No. 140, Binnamangala Layout, now called Defence Colony, Indiranagar, Bangalore-38.

Boundaries :

East : Site No. 139,
West : Site No. 141,
North : Site No. 115, and
South : Site No. 30' road

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 16-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Suriya Jabeen, D/o Late Abdul Khudu Khaleel, No. 12, Dr. Omer Sherrih Road, Basavanagudi, Bangalore-560004.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Iqbalunissa, W/O Sri Abdul Khaleel, Muslim Block, Kanakapura, Bangalore.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE
BANGALORE-56000**

Bangalore-560001, the 19th July 1979

C.R. No. 62/23084/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing premises No. 17/7, Church Road, situated at Basavanagudi, Bangalore City (Dn. No. 33), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Bangalore. Doc. No. 3085/78-79 on 27-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3085/78-791, dated 27-12-1978]
Premises No. 17/2, Church Road, Basavanagudi, Bangalore City (Dn. No. 33).

Boundaries :

East : Church Road.
West : Private property.
North : Sri Abdul Khudus' property.
South : Common Passage.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-56000

Bangalore-560001, the 23rd July 1979

C.R. No. 62/23300/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 389/44, situated at 19th Main Road, I Block, Rajajinagar, Bangalore-560010, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 4203/78-79 on 24-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri R. Palaniswamy, No. 66, 2nd Cross, Hutchins Road Extn, Bangalore.

(Transferors)

(2) Sri N. Chakrapani, Smt. C. Saroja, W/o Sri N. Chakrapani, No. 389/44, 19th Main Road, 1st Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4203/78-79, dated 24-1-1979]
House property bearing No. 389/44, situated at 19th Main Road, 1 Block, Rajajinagar, Bangalore-560010.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 23-7-1979.
Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Datla Venkata Narasaraaju S/o Padma Raju
Ramakrishna Nagar, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Balabadrani Apparao S/o Perraju, Tadankivari St.,
Satyanarayanapuram Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th June 1979

Ref. No. Acq. File No. 890.—Whereas, I, B. V. SUBBA
RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

23-17-12C situated at Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Vijayawada on 1-12-1978

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the Registering Officer at
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-
deration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Document No.
5439/78 registered before the Sub Registrar, Vijayawada dur-
ing the fortnight ended on 15-12-1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Date : 8-6-1979

Seal :

FORM ITS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th June 1979

Ref. No. Acq. File No. 891.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 113 situated at Tenali and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on 27-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Tangirala Venkata Sivalaxmipati.
2. Shri T. Venkatanaga Suryanarayana.
3. Shri T. Venkata Nagaprasad, Ramalingeswarapeta, Tenali.
(Transferor)

- (2) Chandolu Rangaiah, S/o Pullayya, Ganganammampeta, Tenali.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 3036/78 registered before the Sub-Registrar, Tenali during the fortnight ended on 31-12-1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Date . 8-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

1. Sri Milapchand Jain, S/o Rameswarlal, Near Manorama, Bowdare Road, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Dayalal Patel, S/o Veerjee Patel, Anakapalli, Visakhapatnam District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd July 1979

Ref. No. Acq. File 892.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Market Ward Block No. 2 VSP (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 14-12-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 7709/78 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

Date : 2-7-79

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd July 1979

Ref. No. 894.—Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27-23-55 situated Gopalreddy Rd. Governerpet, VZA (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vijayawada on 6-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Kumari Valluri Dhanalakshmi, C/o Venkata Subba Rao.
(ii) Samrajyam, M/G Valluri Venka Subba Rao.
(iii) Valluri Venkata Subba Rao, S/o Basavaiah C/o Jyoti Theatre, Patamatalanka, Vijayawada.
(Transferor)
- (2) (i) Gundapu Srihari Rao, S/o Manikyala Rao.
(ii) Master Gangadhara Rao, M/G Sri Manikyala Rao Kapsavari Street, Governerpet, Vijayawada
(Transferee)
- (3) (i) M/s Venkata Kanaka Durga Automobiles.
(ii) M/s Saibaba Engineering Works.
(iii) Srilaxmi Turning Works.
(iv) Sri Sreenivasa Diesel Works.
(v) Kumar Engineering Works.
(vi) The Institute of Bankers.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5334/78 before the S.R.O. Vijayawada on 6-12-78.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Date : 2-7-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th July 1979

Ref. No. Acq./893.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/38 situated at Eluru Road Gudivada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Machilipatnam in Dec., 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

22—246GI/79

1. Muntha Nageswara Rao, S/o Late Sri Krishna Rao, Gudivada. 2. Smt. Muntha Kasi Annapurnamma, Gudivada.

(Transferor)

2. i. Shrimati Dr. A. Sharada, Sharadha Nursing Home, Chirala.

ii. Mrs. M. Pushpa Balakrishna, Road No. 2, Flat No. 58 Marredpally, Secunderabad-500026.

(Transferee)

4. i. Boppana Lakshmi Saraswathi Devi, D/o Ramabrahmaiah, Bellary.

ii. B. B. N. Brahmeswara Rao.

iii. B. Devendra Prasad.

iv. B. Radhakrishna Murthy,

v. Maganti Laxmi.

vi. Parvathaneni Ranga Rao.

vii. Parvathaneni Brahmaiah.

Partners in Gowrisankar Talkie Gudivada.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered document No. 4279 registered before the S.R.O. Machilipatnam.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

1. M/s Vicon Food Products(P) Ltd., Mangalagiri Gun-
tur District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)2. M/s Spencer & Co. Ltd., Mangalagiri Regd. Office :
769, Anna Salai, Post Box. No. 301 Madras-2.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th July 1979

Ref. No. 985.—Whereas, I. B. V. SUBBA, RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

7843 situated at Mangalagiri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Mangalagiri on December '78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document
No. 2312/78 registered before the S.R.O. Machilipatnam for
the fortnight ended 31.12.1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Date : 6-7-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1979

Ref. No. 899.—Whereas, I, B. V. SUBBA, RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32-29-6 situated Eluru Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada during Dec.'78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Kollipara Bama Krishna, S/o Satyanarayana, 14/13 /12, Hanumanpeta, Vijayawada.

(Transferer)

2. Smt. Chintapalli Leela, W/o Dr. Ch. Subhakar Rao, Ramachandra Rao Road, Suryaraopet, Vijayawada-I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5480/78 registered before the S.R.O. Vijayawada during December 1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I/C Kakinada.

Date : 10-7-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1979

Ref. No. 900.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-1-24 situated at Eluru Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada during Dec.'78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Chalasani Seetharamamma, W/o Seshagiri Rao, Seshagiri Nilayam, Pecsapatavari Street, Suryaraopeta, Vijayawada-2.
(Transferor)
2. (i) Sri Somayajulu Venkata Seshagiri Rao, S/o Venkatasubramanyam, Audiseshaiah street, Suryanarayana-puram, Vijayawada.
(ii) Somayajulu Laxmi Narasimhamurthy S/o Venkatasubramanyam.
(Transferee)
3. Somayajulu Laxmi Narasimhamurthy S/o Venkatasubramanyam
(Person in occupation of the property)
4. i. M/s Indian Air Lines Corporation.
ii. R. K. Enterprises.
iii. A.P.S.R.T.C.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5565 & 5566/78 registered before the S.R.O. Vijayawada during Dec., 1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kakinada.

Date : 10-7-79
Seal :

FORM ITNS _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1979

Ref. No. 898.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11.35.6/3 situated at Kotamrajuvari St. VJA.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vijayawada during Dec., 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. i. Kaja Anjaneyulu, S/o Sriramulu,
ii. Kaja Sriramamurthy,
iii. Khaja Balakrishna Rao,
iv. Kaja Rammohana Rao, (Cloth Merchants) 184-B,
Vastralatha, Vijayawada-1.

(Transferor)

2. Rameshchandra Dayalal and Manubhai Dayalal Shah,
11-35-6/3, Kotamrajuvari Street, Vijayawada-1.

(Transferee)

3. M/s Shah Ishwarlal Vadilal, Vijayawada.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5965/78 Registered before the S. R. O. Vijayawada during December, 1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-7-79

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1301/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — House (Part) situated at Balaghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Balaghat on 14th December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lilavati Bai,
Wd/o Shri Suraj Prasad Tiwari,
Umai, Teh. Warasconi, Distt. Balaghat.
(Transferor)

(2) Smt. Hansa Gauri,
W/o Shri Maganlal Wegad,
Umred, Distt. Nagpur (Maharashtra).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 64, Ward No. 11 situated on Kh. No. 372/A, & 372/2-A at Balaghat.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 23-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1302/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. House (Part) situated at Balaghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balaghat on 13th December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Anuj Tiwari,
S/o Shri Suraj Prasad, Tiwari,
Teh. Waraseoni, District Balaghat.

(Transferor)

(2) Smt. Hansa Gauri,
W/o Shri Maganlal Wega,
Umred, Distt. Nagpur (Maharashtra).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 64, Ward No. 11 situated on plot bearing Kh. No. 372/1-A & 372/2-A of P.H. No. 13/2, Balaghat.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 23-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 23rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1303/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Satna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Satna on 12th January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Thakurdas, S/o Shri Idandas &
2. Santulal, S/o Sh. Sewa Ram,
Raghuraj Nagar, Satna.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Udham, S/o Shri Alamchand
2. Smt. Gopi Bai, W/o Sh. Jhamandas &
3. Smt Rukmani Bai, W/o Shri Ishwardas,
Raghuraj Nagar, Satna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 180/1247, Ward No. 15; New Ward No. 17 bearing Kh. No. 458/10 at Bhainsa Khana Ward, Teh. Raghuraj Nagar, Satna.

B. L. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 23-7-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1304/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipura on 17th February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

23—246GI/79

(1) Shri Nazirur Rehman,
S/o Shri Abrullah,
Radio Merchant and Landlord, Budhapara,
Raipur.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Badruddin, S/o Habib Velji
2. Fateh Ali, S/o Habib Velji,
for Goa-wala Foot Wear Shop,
Near Jai Ram Talkies, Sharda Chowk, Raipur.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property on Nazul Block No. 77, Plot No. 2/26 Old Police Line, G.E. Road, Near Jai Ram Talkies, Raipur.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 23-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1305/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Cinema House situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 28th December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpabai, W/o Shri Ganpatrao Bhuskute, 2. Shri Vijay Kumar & 3. Shri Avinash, Ss/o Shri Ganpatrao Bhuskute, 1111, Budhwar Peth, Poona (MS) (Transferor)
- (2) Smt. Pushpabai, W/o Shri Govind Das Bannatwala, Pratap-pura, Burhanpur for 'Bannatwala Family Trust', Bombay. (Transferee)
- (3) 1. Shri Anant Narayana Cadre & Shri Anand Gopaldas Nagar [Person (s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as 'Shankar Chitra Mandir' Block No. 51, Plot No. 138/1, 137/2 and 138/2, Ward No. Manajan Peth, Burhanpur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Induprakashji,
S/o Sh. Khanhaiyalaji Kanungo,
Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Gulabchand,
S/o Sh. Khanhaiyalaji Gupta,
Harda (M.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1306/79-80.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 12th February, 1979 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at South Tukoganj Street No. 3, Sub-Division No. 11/1 of H. No. 11, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-7-1979

Seal :

FORM ITNS.

(1) Shri Madhusudan,
S/o Shri Kanhaiyalalji Kanungo,
Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gulabchand,
S/o Sh. Kanhiyalalji Gupta,
Harda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1307/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. at Indore on 12th February, 1979 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 12th February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House at South Tukoganj S. No. 3, Sub-division No. 11/2 of H. No. 11, Indore and land appurtenant thereto consisting plot area of 4542.25 sft.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Asandas
S/o Shri Natharmal Pusnani
61, Jairampur Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Savitribai W/o Shri Kodamalji
94, Nandlalpura, Indore.
(Sabji Mandi) Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1308/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
House situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 29-12-1978
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12 Rakba 1350 Sq. Ft. situated at Jairampur
colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Anil Kumar
S/o Shri Krishna Rao Gawade
R/o 11/5 South Tuko-Ganj, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Km. Vimla
D/o Shri Prem Shankar Pandey
R/o 28 Chhota Sarafa, Indore.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1979

Fef No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1309.—Whereas, I, K. K. ROY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 129 situated at Jawahar Marg, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-7-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1310.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 5-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ravindra Kumar Rishi
S/o Sh. Jagdish Chandra Rishi
Through his father and attorney
Shri Jagdish Chandra Rishi
S/o Shri Ganeshdas.
R/o A-54, Kailash Colony, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Rishi Economics and housing (Pvt.) Ltd.
35-36, Nehru Place, New Delhi,
Through Director Shri J. C. Rishi.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern Portion of Plot A-4 area 5000 sq. ft. situated at Vidhya Vihar Banganga, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1311.—Whereas, I,
K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 19-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Cbandrabai
w/o Shri Nanakram
r/o Flat No. 1, 6th Floor,
Ajanta Appartment Near Sasundak,
Colaba, Bombay.
2. Smt. Shantibai
w/o Shri Ghanshyamdas
r/o 3-A, Adarsh Nagar, Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shyamlal
s/o Shri Jhangalmal
2. Shri Kimatmal
s/o Shri Hazarimal
3. Shri Hukum Chand
s/o Shri Kimatmal
4. Smt. Mainabai
w/o Shri Jaangalmal
all r/o 141 Bairathi Colony No. 2 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-A Adarsh Nagar (Manik Bag Road), Indore.

K. K. ROY

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1979

Ref No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1312.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-Rs. 25,000/- and bearing No. House and Plot situated at Rewa (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewa on 13-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—246GI/79

(1) Shri Shwamidevkinandan Tiwari
s/o Shri Swami Ramsewak Tiwari,
Chief conservator of Forest, Bhopal.

(Transferor)

(1) 1. Shri Balramdas Gupta
2. Shri Girdhari Gupta
3. Shri Bhagwandas Gupta
all s/o Shri Sarju Prasad Gupta
r/o Govindgarh Tan. Hazur Distt. Rewa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house bearing No. 678/5 and plot No. 68 & 70 bearing khasra No. 323 and 324 at Village Khutehi, Civil line Rewa.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS— — —

(1) 1. 5/Shri Shishir Kumar; 2. Sharadkumar both sons of Late Shri Sharadchand Dubey, 2, Dubey Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendra Kumar, S o Shri Hanumant Rao Bhusari, 96, Silavapura, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 7th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1313/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 27th December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Notern portion of house No. 1 situated at Dubey Colony, Indore.

THE SCHEDULE

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 7-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1314/79-80.—Whereas I. K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 4th December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) The Central India Engineering Corporation through partners Shri Haji Mulla Mohsin Hussain S/o Sheikh Shakir Hussain and Mulla Asgar Hussain S/o Shri Mohsin Hussain, R/o Baldarpura, Bhopal.
(Transferor)
- (2) Shri Anandilal Mishrilal Sahu, Police Chowki, Barkhedi, Bhopal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Demolished house near Caltex Petrol Pump, Rakba 4200 sq. ft. at Hamidia Road, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date : 9-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Vimladevi, W/o Pt. Bala Pd. Sharma
Chowk, Bhopal.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Vimala Rani, W/o Vijay Kumar Sonl Ibrahim-
pura, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1315.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 27th December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed house No. 16 on Rakba 1296 sq. ft. at Gali Noorji Bohra Chowk, Lakherapura, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date : 9.8.1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1316/79-80.—Whereas I, K. K. ROY

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 8th December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pannalal, S/o Shri Bothalalji Bhandari, 9, Nagarchi Bakhal, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Sitabai W/o Ramswaroopji Soni 74/1, Neelkanth Colony (at present 9 Nagarchi Bakhal), Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed pucca house No. 9 on Rakba 770 sq. ft. situated at Nagarchi Bakhal, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date : 9-8-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1317/79-80.—Whereas I, K. K. ROY Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13th December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Shishir Kumar Dubey & 2. Shri Sharad Dubey, sons of late Shri Sharad Chandra Dubey, 2, Dubey Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Kumar Bhusari, S/o Hanumant Rao Bhusari, 96, Silawadpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western portion of House No. 1 situated at Dubey Colony Indore with open land measuring 4378.75 sft.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS— —

(1) Shri Chunnihal Sharma, S/o Kedarnath Sharma,
Akaltara, Tehsil Janjgir, Dist. Bilaspur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. L. Kakreja Power of Attorney for Raymond
Cement Works, J. K. Building, Bombay-400032.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL M. P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 13th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1318/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Akaltara (Bilaspur)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Janjgir on 28th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land at Mouza GONDADIH, P.H. No. 5, Tehsil Janjgir, Vill. Sosari, Block Akaltara, Teh. Janjgir, Dist. Bilaspur (19.83 acres).

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1319/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 28th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurucharan Singh Chawla, S/o Harjastai Chawla, Fatehgarh, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Bhojibai, Wd/o Lekhrajmal, 50B, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Mezenine and First Floor constructed on Shop No. 3 on Rakba 958 sq. ft. at Royal Market, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1320/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. PLOT situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 27th December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—246GI/79

- (1) 1. Shri Mubarak Ali, Urf Babushah, S/o Anwar Ali Shah; (2) Smt. Sharifanbi, Wd/o Anwarali Shah, Gurbaksh, Talaiya, Mangalwara, Bhopal.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Harnamsing, S/o Gopalsingh 2. Shri Lal-Singh, S/o Harnamsing; 3. Surendrasingh; and 4. Shri Yogendrasingh, sons of Harnamsingh, 9, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot on Khasra No. 1234, Rakha 10350 sq. ft. with small houses of khaprel etc. at Natha-Shah-Ka-bada, Gurbux Talaiya, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date : 13-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Neelakantan, S/o Malathi Amma, Kizhakke Thottakkattu, Karithala, Ernakulam.

(Transferor)

- (2) Shri Joseph Mathew for Joseph Michael & Bros., Palai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

COCHIN-682 016,

Cochin, 4th August 1978

Ref. L.C. 312/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 21-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/16th right over 58.5 cents of land and building as per schedule attached to Doc. No. 3877/78 of SRO, Ernakulam,

K. NARAYANA MENON

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range

Ernakulam

Date : 4-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
COCHIN-682 016,

Cochin, 4th August 1978

Ref. L.C. 313/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 27-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nalini Amma and another, C/o Late Venu-gopala Menon, Thottakkattu House, Ernakulam.
(Transferor)
- (2) M/s Joseph Michael & Bros., Palai (by) Shri Joseph Mathew)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th right over 58.5 cents of land and buildings as per schedule attached to Doc. No. 3924/78 of SHO, Ernakulam.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernakulam

Date : 4-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
COCHIN-682 016,

Cochin, 4th August 1978

Ref. L.C. 312/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Trivandrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalai on 13-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. A. G. Kaveri Amma, Parvathi Vilas, Vazuthakkad, Trivandrum.

(Transferor)

- (2) Shri. Daniel, Edamalaveedu, Kumaramperoor, Thekkera, Vadasserikara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

42.5 cents of land in Sy. No. 5 of Changazhassery Village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernakulam

Date : 4-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE
COCHIN-682016

Cochin, the 4th August 1979

Ref. L.C. 316/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Muttathara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trivandrum on 4-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Thankamani, Thekkeveedu, Pallithottam, Quilon.
(Transferor)
- (2) Shri S. M. Suthan Pillai, T.C. No. 44/187, Muttathara, Trivandrum.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 acre 69 cents of land in Sy. No. 472, 473 of Muttathara Village, Trivandrum Dist.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 4-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
PATNA

Patna, the 28th June 1979

Ref. No. III-331/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 183 Circle No. 27, ward No. 16 (New) and 9 (old) M. S. plot No. 1431 and 1432 of Patna Municipal Corporation situated at Annie Besant Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 19-12-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arun Chandra Mitra (2) Tarun Chandra Mitra (3) Aroop Chandra Mitra (4) Nirup Chandra Mitra All sons of late Sarat Chandra Mitra resident of "Govinda Niwas" Govind Mitra Road Ps, Pirbahore Patna (No. 3 now residing at 11/A old dairy Colony Gorakhpur U.P. and No. 4 now residing at 5/2/A Hem De lane Calcutta-50).

(Transferor)

- (2) Trivedi Ambarcesh Alias Ambareesh Kumar Trivedi Annie Basant Road Patna-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring an area of 1 Katha 17½ Dhurs i.e. 2546 Sq. ft. along with building situated at Annie Besant Road Patna bearing Holding No. 183 Circle No. 27 Ward No. 16 (New) and 1 (old) M.S. Plot No. 1431 and 1432 of Patna Municipal Corporation described in deed No. 7621 dated 19-12-1978 registered with the District sub Registrar Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date : 28-6-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 28th July 1979

Ref No. III-332/Acq/79-80.—Whereas I, J. Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No 183, Circle No. 27 Ward No. 16(New) 9(Old) M.S. Plot No. 1431 and 1432 of Patna Municipal Corporation situated at Annie Besant Road Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 20-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following presents, namely :—

(1) Shri Arun Chandra Mitra (2) Tarun Chandra Mitra 3. Aroop Chandra Mitra (4) Nirup Chandra Mitra All sons of late Sarat Chandra Mitra resident of "Govinda Niwas" Govind Mitra Road Ps. Pirbahore Patna (No. 3 now residing at 11/A old dairy Colony Gorakhpur U.P. and No. 4 now residing at 5/2/A Hem De lane Calcutta-50.) (Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Trivedi S/o late Trivedi Parmanand Annie Bisant Road, Patna-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring an area of 2550 Sq. ft. with building situated at Annie Besant Road Patna bearing Holding No. 183, Circle No. 27 ward No. 16 (New) and 9(old) M.S. Plot No. 1431 and 1432 of Patna Municipal Corporation described in deed No. 76.50 dated 20-12-78 registered with the District sub-registrar Patna.

J NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Patna

Date : 28-6-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mridula Chandra, W/o Shri Mirmal Chandra, Bakerganj, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lalita Devi, W/o. Shri L. P. Sharma, Mohl. Sultanpur, P. S. Danapur, Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
BIHAR, PATNA

Patna, the 23rd July 1979

(3) (M/s Sharma Brothers, Patna
[Person in occupation of the property])

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. II-335/Acq./79.80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 213B, Plot No. 722B(Part) Circle No. 9, Ward No. 2, situated at Exhibition Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 23-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land with structures on 1380 Sft land situated at Exhibition Road, Patna bearing H.No. 213B, M.S. Plot No.722B (Part) Circle No 9, Ward No. 2 within Patna Municipal Corporation more fully described in document No. 408 registered with the D.S.R. Patna on 23-1-79.

J. NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dagdulal Laxamandas Parakh, Balaji Peth, Jalgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Shri Tukaram Hari Bhole Jilha Peth, Jalgaon.
2. Shri Laxaman Hari Bhole, Varangoon, Tal. Bhusawal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, PUNE-411009**

Pune-411009, the 25th July 1979

Ref. No. CA.5/SR.Jalgaon/April 79/455.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 2679/46 situated at Jalgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Jalgaon on 27-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act.' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 2679/46 at Jalgaon. Area 214.9 Sq. Mtrs.
(The property is registered with the Sub-Registrar, Jalgaon under D. No. 913, dated 27-4-1979).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 25-7-1979.

Seal *

